RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-11 | अंक-11 | जयपुर, शनिवार, 11 जुलाई 2026 | मूल्य-4 रुपये

30 हजार फीट पर प्लेन की खिड़की टूटी, पैसेंजर का सिर-कंधा बाहर निकले

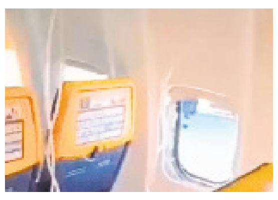

एथेंस। ग्रीस के आकाश में एक फ्लाइट की खिड़की टूट जाने से बड़ा हादसा टल गया। इससे कैबिन में अचानक दबाव कम हो गया। उस खिड़की के नजदीक बैठे 61 साल के पैसेंजर का सिर और कंधे खिड़की से बाहर निकल गए। उस समय प्लेन 30 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। एक महिला पैसेंजर ने बताया कि बुजुर्ग को पास बैठी पत्नी ने बचाया। जैसे ही वह विंडो से बाहर निकलने लगे, उनकी पत्नी ने जोर से दोनों पैर पकड़ लिए। इसके बाद दूसरे पैसेंजर ने मदद की और उन्हें अंदर खींचा। अच्छी बात यह रही कि पीड़ित शख्स बेल्ट बांधे था, इससे वह बाहर नहीं फिंका। यह घटना मैसिडोनिया के ऊपर हुई। फ्लाइट ग्रीस के थेसालोनिकी से जर्मनी के मेमिंगेन जा रही थी। विमान कंपनी रायनएयर ने बताया कि पैसेंजर को जलने जैसी चोटें आई हैं। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसकी हालत ठीक है।

राम मंदिर दान घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट 13 जुलाई को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दान की कथित चोरी की सीबीआई के नेतृत्व में एसआईटी से जांच कराने की मांग वाली याचिका पर उच्चतम न्यायालय 13 जुलाई को सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की पीठ सुनवाई करेगी। याचिका दो वकीलों अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव ने दायर की है। याचिका में केंद्र सरकार, यूपी सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को निर्देश देने की मांग की गई है कि वो वित्तीय गड़बड़ियों को रोकने के लिए एक सुप्रबंधित व्यवस्था स्थापित करें क्योंकि इससे करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं जुड़ी हुई हैं।

ट्रंप ने फिर जताई अपनी हत्या की आशंका

ट्रंप बोले- मेरी हत्या हुई तो भीषण होगी जवाबी कार्रवाई, आदेश दे चुका

इजरायली का भी दावा- ट्रम्प की हत्या की साजिश रच रहा ईरान

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान उनकी हत्या करने में कामयाब होता है, तो अमेरिका जवाबी कार्रवाई में अत्यधिक सैन्य बल का इस्तेमाल करेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्होंने पहले ही निर्देश दे दिए हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को द न्यूयॉर्क पोस्ट से बातचीत में कहा, मैं काफी लंबे समय से उनकी सूची में हूं। हम इस स्थिति से निपट रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, बस एक बात है, मैंने निर्देश दे दिए हैं कि अगर मेरे साथ कुछ भी होता है, तो सचमुच उन पर ऐसे स्तर पर बमबारी की जाए, जैसा उन्होंने पहले कभी नहीं देखी होगी। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या इस्राइल ने उनके साथ यह खुफिया जानकारी साझा की है कि ईरान उनकी हत्या का प्लान बना रहा है, तो उन्होंने कहा, नहीं, नहीं। इस्राइल से ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान कई वर्षों से उनकी हत्या करना चाहता है। उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से ईरान की मारने वालों की सूची में पहले नंबर पर हूं और यही जिंदगी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा कि ईरान ने बातचीत जारी रखने की इच्छा जताई है और अमेरिका इसके लिए तैयार हो गया है। हालांकि, ट्रम्प ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच हुआ सीजफायर अब खत्म हो चुका है।

ईरान और अमेरिका के बीच दो दिनों तक चली सैन्य कार्रवाई के बाद फिलहाल गोलीबारी थम गई है। अल जजीरा के मुताबिक, अब मध्यस्थता कर रहे देश दोनों पक्षों के बीच कूटनीतिक बातचीत फिर शुरू कराने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि तनाव और न बढ़े।

वहीं, लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के नबातियेह प्रांत में दो और ड्रोन हमले किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एक हमला कफर रेमान और दूसरा नबातियेह अल-फौका कस्बे में हुआ। फिलहाल किसी के हताहत होने की भी खबर नहीं है।

दावा- ईयू इजराइल पर टैरिफ लगाएगा

सदस्य देशों के बढ़ते दबाव के बाद यूरोपीय संघ के विदेश मंत्री इजराइली उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने पर चर्चा करेंगे। राजनयिकों का कहना है कि ब्रुसेल्स में सोमवार को होने वाली इस बैठक से किसी तुरंत फैसले की उम्मीद नहीं है। हालांकि, इससे यह साफ हो जाएगा कि इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए कितना समर्थन हासिल है।

ईरान के लिए बातचीत का रास्ता अब भी खुला

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की उप राजदूत टैमी ब्रूस ने कहा है कि ईरान के लिए बातचीत का रास्ता अब भी खुला है, लेकिन इसके लिए कुछ शर्तें हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में उन्होंने कहा, 'बातचीत संभव है, लेकिन जब तक ईरान अपनी बुनियादी जिम्मेदारियों का पालन नहीं करता, तब तक बातचीत आगे नहीं बढ़ सकती।

वकील ने सीजेआई का नाम लेकर अपशब्द कहे, फाइल फेंकी

सुप्रीम कोर्ट में जजों को आदेश देने लगा, सिक्योरिटी ने बाहर निकाला

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई के दौरान एक वकील ने हंगामा किया। सीजेआई सूर्यकांत को अपशब्द कहे और फाइल भी फेंकी। इस दौरान सीजेआई कोर्ट रूम में मौजूद नहीं थे।

यह घटना जस्टिस केवी विश्वनाथन, जस्टिस आलोक अराधे की बेंच के सामने हुई। हंगामे के बाद कोर्ट के आदेश पर सिक्योरिटी ने वकील को तुरंत बाहर निकाल दिया।

जब उस याचिकाकर्ता वकील ने अभद्रता शुरू की, तब कोर्ट रूम में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया। दिल्ली पुलिस वकील को पूछताछ के लिए ले गई है।

जिस वकील ने हंगामा किया उसका नाम प्रबल प्रताप था। वह इलाहाबाद हाईकोर्ट से अपनी रिट याचिका खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। याचिका में अदालत के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें प्रबल की अर्जी पर पुलिस से जांच कराने के बजाय उसे निजी शिकायत मान लिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई तो जज ने याचिकाकर्ता से पूछा आप खुद ही पैरवी करेंगे। इस पर प्रबल बोला- 'न्यायिक अधिकारी महोदय, मैं आपको आदेश देता हूं कि आप लखनऊ के ACP के खिलाफ FIR दर्ज करने का आदेश दें। इस पर जस्टिस केवी विश्वनाथन ने हैरानी जताते हुए पूछा- आप मुझे आदेश दे रहे हैं? जवाब में याचिकाकर्ता बोला- 'मेरी तरफ से बस इतना ही। सब कुछ रिकॉर्ड पर है।' इसके बाद उसने केस की फाइल हवा में फेंक दी और गाली-गलौज करने लगा।

हंगामे के बाद जस्टिस केवी विश्वनाथन ने कहा- 'वह बहुत परेशान है, यह सब उसकी हताशा है। हमें उसके लिए केवल सहानुभूति है। हम उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करना चाहते। जहां तक मामले की बात है, हमें विवादित आदेश में दखल देने का कोई ठोस आधार नहीं मिला।

कोर्ट ने नहीं लिया एक्शन, लेकिन बार काउंसिल कर सकता है कार्रवाई

इस वकील के खिलाफ बार काउंसिल भी कार्रवाई कर सकता है। दरअसल, अगर कोई वकील अपने पेशे के नियमों का पालन नहीं करता या गलत आचरण करता है, तो उसके खिलाफ एडवोकेट्स एक्ट, 1961 के तहत कार्रवाई हो सकती है।

पहले शुरुआती जांच होती है, अगर जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो उसे बार काउंसिल की अनुशासनात्मक समिति के पास भेजा जाएगा।

रीको के सीनियर डीजीएम और जूनियर-असिस्टेंट रिश्वत लेते गिरफ्तार

अजमेर

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जयपुर टीम ने शुक्रवार को अजमेर में राजस्थान

राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) के 2 अधिकारियों को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी ने रीको के सीनियर डीजीएम अंजय विश्वकर्मा को 50 हजार रुपए और जूनियर असिस्टेंट कमलेश को 35 हजार रुपए की घूस लेते हुए दबोचा।

दोनों अधिकारियों पर एक लीज डीड के एग्जीक्यूशन के एवज में परिवादी से कुल 85 हजार रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है। परिवादी की शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी ने जाल बिछाकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

रिटायरमेंट से ठीक पहले कानून के शिकंजे में

जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए यूनिट हेड (सीनियर डीजीएम) अंजय विश्वकर्मा का आगामी 31 जुलाई को रिटायरमेंट होना था। विश्वकर्मा की मूल पोस्टिंग किशनगढ़ में है, लेकिन उनके पास अजमेर का अतिरिक्त कार्यभार (चार्ज) भी था। रिटायरमेंट से ठीक पहले हुई इस कार्रवाई से विभाग में हड़कंप मच गया है।

एसीबी की टीम ने दी दबिश

यह पूरी कार्रवाई एसीबी के महानिदेशक (डीजी) गोविंद गुप्ता और अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) स्मिता श्रीवास्तव के निर्देश पर की गई। कार्रवाई को एएसपी मनोज गुप्ता और एएसपी ज्ञान प्रकाश नवल की टीम ने डीआईजी ओमप्रकाश मीणा के सुपरविजन में सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

दिल्ली-एनसीआर से उत्तराखंड तक बाढ़ जैसे हालात

लैंडस्लाइड से 1000 लोग फंसे, दिल्ली में बारिश से सड़कें डूबीं

नई दिल्ली

देशभर में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय हो चुका है और इसका असर उत्तर से दक्षिण तक दिखाई दे रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश समेत 18 राज्यों में भारी से अति भारी बारिश और तेज आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है।

कई राज्यों में जलभराव, बाढ़, भूस्खलन और बिजली गिरने की घटनाओं से जनजीवन प्रभावित हुआ है। दिल्ली में 160 मिमी तक बारिश दर्ज की गई, जबकि उत्तराखंड में यमुनोत्री हाईवे का हिस्सा बह गया। कई राज्यों में जान-माल के नुकसान की भी खबरें सामने आई हैं।

उत्तराखंड में भारी बारिश और भूस्खलन का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। उत्तरकाशी में यमुनोत्री हाईवे का करीब 100 मीटर हिस्सा बह गया है, जबकि कई प्रमुख मार्ग बंद होने से करीब 1000 यात्री अलग-अलग स्थानों पर फंस गए हैं।

उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को 30 शहरों में बारिश हुई। बारिश से जुड़े अलग-अलग हादसों में 10 लोगों की मौत हो गई। बुलंदशहर में मस्जिद की पुरानी दीवार गिरने से एक ही परिवार के 2 लोगों की जान गई। हरदोई में 2 बहनें नदी में बह गईं। वहीं, बिहार के गोपालगंज में बिजली गिरने से एक की मौत हो गई।

त्रिपुरा के 3 जिलों में बाढ़, 11 हजार लोग राहत शिविरों में

त्रिपुरा में पिछले कई दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण तीन जिले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। नदियों का जलस्तर बढ़ने से कई इलाकों में पानी भर गया। इसके चलते करीब 11 हजार लोगों को सुरक्षित निकालकर राहत शिविरों में पहुंचाया गया है।

शेख हसीना बोलीं- दिसंबर में लौटूंगी बांग्लादेश, कोर्ट में सरेंडर करूंगी

नई दिल्ली

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि वह दिसंबर में भारत से बांग्लादेश देश लौटेंगी और कोर्ट में सरेंडर करेंगी। उन्होंने कहा कि उनके साथ अवामी लीग के कई सीनियर नेता भी बांग्लादेश लौटकर आत्मसमर्पण करेंगे। हसीना ने कहा अवामी लीग के नेताओं व कार्यकर्ताओं पर लगातार कार्रवाई हो रही है। उनके मुताबिक, लगभग सभी बड़े नेताओं-कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दर्ज किए गए हैं और कई लोग छिपकर रहने को मजबूर हैं। हालांकि, उन्होंने वापसी की सटीक तारीख नहीं बताई। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, वे मुझे गिरफ्तार भी कर सकते है, मेरी हत्या भी कर सकते है, लेकिन मुझे लौटना ही होगा। अगर मौत भी आ जाए, तो मैं अपने देश की मिट्टी में मरना चाहती हूं, जहां मेरे माता-पिता दफन हैं।

बता दें कि हसीना 2024 में सरकार विरोधी आंदोलन के बाद बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गई थीं। इसके बाद उन्हें छात्र आंदोलन पर कार्रवाई से जुड़े मामले में मौत की सजा सुनाई गई। वह इन आरोपों से इनकार करती रही हैं।

12% से ज्यादा अल्कोहल वाली दवा बिना प्रिस्क्रिप्शन नहीं मिलेगी

मेडिकल स्टोर्स को 3 साल का रिकॉर्ड रखना होगा

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 12% से ज्यादा अल्कोहल मिक्स दवाओं की खुली बिक्री पर रोक लगा दी है। अब ये दवाएं डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना खरीदी या बेची नहीं जा सकेंगी। दवाओं के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए सरकार ने ड्रग्स रूल्स, 1945 में यह बदलाव किया है।

नए नियम के तहत उन सभी पीने वाली दवाओं को 'शेड्यूल एच1' कैटेगरी में शामिल कर दिया गया है। इनमें एथिल अल्कोहल की मात्रा 12% से ज्यादा होती है और जो 30 मिलीलीटर से बड़ी बोतल में बेची जाती हैं। मेडिकल स्टोर्स के लिए भी खास निर्देश हैं। अब मेडिकल स्टोर्स को इन दवाओं की बिक्री का पूरा रिकॉर्ड एक अलग रजिस्टर में रखना होगा। सरकार ने Schedule K में भी संशोधन किया है. पहले कुछ दवाओं को बिक्री के नियमों में छूट मिलती थी, लेकिन अब 30 द्रव्य से बड़ी और 12% से ज्यादा अल्कोहल वाली ओरल दवाओं को यह छूट नहीं मिलेगी. यानी इन दवाओं की बिक्री भी तय नियमों के तहत ही होगी.

सरकार का कहना है कि कुछ लोग ज्यादा अल्कोहल वाले कफ सिरप और टॉनिक का नशे के लिए गलत इस्तेमाल करते हैं. ऐसे मामलों को रोकने और दवाओं के दुरुपयोग पर लगाम लगाने के लिए यह कदम उठाया गया है. सरकार का मानना है कि डॉक्टर की पर्ची अनिवार्य होने और बिक्री का रिकॉर्ड रखने से ऐसी दवाओं के गलत इस्तेमाल पर नजर रखना आसान होगा.

इस बदलाव का मसौदा अक्टूबर 2025 में सार्वजनिक किया गया था. लोगों और संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां मांगने के लिए

30 दिन का समय दिया गया था, लेकिन कोई आपत्ति नहीं मिली. इसके बाद सरकार ने ड्रग टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड से चर्चा की और अब इसे अंतिम रूप देकर अधिसूचित कर दिया है.

पीटीआई अभ्यर्थियों की नियुक्ति का रास्ता साफ

हाईकोर्ट का निर्देश- अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन कराकर तुरंत नियुक्ति दी जाए

जोधपुर

राजस्थान हाईकोर्ट ने पीटीआई ग्रेड-3 भर्ती 2022 से जुड़े बहुचर्चित फर्जी डिग्री विवाद में अभ्यर्थियों को बड़ी राहत प्रदान की है। एकलपीठ ने स्पष्ट किया भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद जारी किए स्थायी डिबार (प्रतिबंध) आदेश को पूर्व प्रभाव (रेट्रोस्पेक्टिव इफेक्ट) से लागू कर अभ्यर्थियों को नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। न्यायाधीश कुलदीप माथुर ने एक साथ कई याचिकाओं की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार व राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड को निर्देश दिया कि अभ्यर्थियों के वर्तमान शैक्षणिक दस्तावेजों का सत्यापन किया जाए और यदि वे वैध पाए जाते हैं तो संबंधित श्रेणी की मेरिट के अनुसार उन्हें नियुक्ति दी जाए।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि नियुक्ति मिलने पर अभ्यर्थियों को पिछला वेतन नहीं मिलेगा, लेकिन वरिष्ठता का लाभ उस तिथि से दिया जाएगा, जिस दिन कनिष्ठ अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान की थी।

ई-20 पेट्रोल पर आशंकाओं को सरकार ने किया खारिज, कहा-

ई-20 पेट्रोल से न इंजन खराब होगा, न पुरानी गाड़ियां होंगी बेकार

सरकार ने कहा- ई-20 से पांच फीसदी घट सकती है माइलेज लेकिन 'स्वच्छ दहन' जैसे लाभ अधिक

नई दिल्ली

ई20 पेट्रोल को लेकर देशभर में हंगामा बरपा है। ई20 यानी 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल सवालों के घेरे में है। इसे लेकर उठ रहे सवालों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैल रही अफवाहों के बीच केंद्र सरकार का जवाब आया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार कहा 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) के इस्तेमाल से कुछ वाहनों में माइलेज 3 से 5 फीसदी तक कम हो सकती है लेकिन इसके बदले मिलने वाली ऊर्जा सुरक्षा, कम कार्बन उत्सर्जन और बेहतर इंजन प्रदर्शन जैसे लाभ कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। मंत्रालय के अनुसार इसके अलावा ऑक्टेन रेटिंग, बेहतर एंटी-नॉक क्षमता, तेज दहन, बेहतर पिकअप आदि जैसे लाभ भी इसमें शामिल हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय ने इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम की आलोचनाओं का जवाब देने के लिए जारी प्रश्नोत्तर दस्तावेज में बताया ई20, ई10 या शुद्ध पेट्रोल की तुलना में ''अधिक स्वच्छ, बेहतर गुणवत्ता वाला और अधिक दक्ष ईंधन है।''

इसे वर्षों तक वैज्ञानिक परीक्षण, वाहन विनिर्माताओं के साथ परामर्श और घरेलू ईथेनॉल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के बाद ही लागू किया है। मंत्रालय ने इस आशंका को खारिज किया ये कार्यक्रम जल्दबाजी में लागू किया गया। मंत्रालय ने कहा कि सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि इथेनॉल कोई नया ईंधन नहीं है। इथेनॉल का आविष्कार हमने नहीं किया था, जिसे एक सदी से पहले, हेनरी फोर्ड ने 'मॉडल टी' को इथेनॉल से चलाने के लिए डिज़ाइन किया था और ब्राज़ील एवं अमेरिका समेत दुनिया भर के देशों ने दशकों से इथेनॉल ब्लेंड का इस्तेमाल किया है। मंत्रालय ने कहा कि उतना ही महत्वपूर्ण यह भी है कि भारत का इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम मौजूदा सरकार के समय शुरू नहीं हुआ था। इस पहल का एक लंबा संस्थागत इतिहास और कई अहम पड़ाव रहे हैं। उसने कहा कि भारत की इथेनॉल मिश्रण पहल की शुरुआत 2001 में प्रायोगिक परियोजनाओं से हुई थी और 2006 तक देश के कुछ हिस्सों में 5 फीसदी इथेनॉल मिश्रण लागू कर दिया था।

मंत्रालय ने बताया कि 2014 तक पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण लगभग 1.5 फीसदी पर ही था लेकिन 2018 में राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति लागू होने व गन्ने के अलावा अन्य कच्चे माल को भी इसमें शामिल किए जाने के बाद सरकार इथेनॉल उत्पादन में तेजी लाई।

एएसपी रैंक के 49 आरपीएस अधिकारियों के ट्रांसफर

जयपुर

राज्य सरकार के गृह (ग्रुप-1) विभाग ने शुक्रवार को एएसपी एवं समकक्ष स्तर के 49 अधिकारियों के तबादले और पदस्थापन के आदेश जारी किए। संयुक्त शासन सचिव मनीष गोयल द्वारा जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। इस व्यापक फेरबदल में जयपुर और जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट सहित एएनटीएफ, एटीएस, एसओजी, साइबर क्राइम, सीआईडी-सीबी, राजस्थान पुलिस अकादमी, महिला अपराध अनुसंधान सेल और अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर जैसी महत्वपूर्ण इकाइयों में नई नियुक्तियां की गई हैं।

जयपुर कमिश्नरेट में सबसे अहम बदलावों में आलोक कुमार सिंघल को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर-प्रथम), आलोक कुमार को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (अपराध), मनराज मीणा को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, महिला अपराध अनुसंधान सेल (पश्चिम), पारसमल जैन को अति. पुलिस उपायुक्त (पूर्व) तथा रजनीश पूनिया को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (यातायात-पश्चिम) नियुक्त किया है। वहीं जयपुर यातायात में कार्यरत समीर कुमार दुबे को मुख्यमंत्री सतर्कता में एएसपी बनाया गया। नीरज पाठक को अतिरिक्त डीसीपी नॉर्थ से स्थानांतरित कर जयपुर ग्रामीण मुख्यालय का एएसपी नियुक्त किया है। वहीं विजय सिंह को एएनटीएफ जयपुर में एएसपी नियुक्त किया है। राजेश कुमार और सुभाष गोदारा को एसओजी जयपुर, ओमप्रकाश मीणा को एटीएस मुख्यालय जयपुर तथा निशांत भारद्वाज को एटीएस जोधपुर भेजा है। राजकमल मीणा को सीआईडी-सीबी होमिसाइड स्क्वॉड तथा सुरेश कुमारी को सीआईडी-सीबी शिकायत अनुभाग, जयपुर में पदस्थापित किया गया है।

जोधपुर कमिश्नरेट में प्रवीण कुमार को अति. पुलिस उपायुक्त (पश्चिम), नरेंद्र सिंह देवड़ा को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पूर्व) तथा आनंद सिंह राजपुरोहित को अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बनाया है।

महाराष्ट्र में दोहरी मार : झमाझम बारिश के बीच लगे भूकंप के 4 झटके

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच बीते गुरुवार को मराठवाड़ा क्षेत्र के नांदेड़, हिंगोली और परभणी जिलों में भूकंप के चार हल्के झटके महसूस किए गए, जिसने आधी रात को धरती को कंपा दिया। एक अधिकारी ने बताया कि ये झटके रात 1.37 बजे से 3.23 बजे के बीच आए और रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 3.6 से 4.6 के बीच मापी गई। जिला आपातकालीन केंद्र को रात 01:37, 02:15, 02:17 और 03:23 बजे इन झटकों की सूचना मिली। पहले झटके की तीव्रता 4.6, दूसरे की 3.6, तीसरे की 3.9 और चौथे की 4.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले के वसमत तालुका में शिरली गांव में स्थित था। राहत की बात यह रही कि जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली, जबकि इन झटकों के आने के समय ज्यादातर लोग अपने घरों में सो रहे थे। हिंगोली, नांदेड़ और परभणी के कई निवासियों ने इन तीव्र कंपनों को महसूस किया। पहले झटके का केंद्र हिंगोली जिले के वसमत तालुका में पांगरा शिंदे गांव के दक्षिण में शिरली गांव के पास था, जिसकी गहराई 10 किलोमीटर दर्ज की गई। बाद के दो झटकों के केंद्र पांगरा शिंदे गांव के उत्तर-पश्चिम में स्थित ककड़धाबा गांव के पास थे और वे भी 10 किलोमीटर की गहराई पर आए। पिछले छह वर्षों में, हिंगोली जिले के औंधा नागनाथ, कलमनुरी और वसमत तालुका में 37 से अधिक हल्के भूकंप दर्ज किए गए हैं, लेकिन एक ही रात में चार झटके आना यह पहली बार दर्ज किया गया मामला है, जो स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बन गया है। भूकंप मुख्य रूप से पृथ्वी की बाहरी परत में मौजूद टेक्टोनिक प्लेट्स के खिसकने या हिलने-डुलने से आते हैं। हमारी पृथ्वी की क्रस्ट कई विशाल प्लेट्स में विभाजित है जो मैग्मा की ऊपरी परत पर तैरती रहती हैं। ये प्लेटें लगातार धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर या पास आती रहती हैं। जब इन प्लेटों की सीमाओं पर घर्षण बहुत अधिक बढ़ जाता है और वे अचानक फिसलती हैं, तो भारी मात्रा में ऊर्जा मुक्त होती है। इस ऊर्जा की लहरें पृथ्वी की सतह पर कंपन पैदा करती हैं, जिसे हम भूकंप के रूप में महसूस करते हैं। इसके अलावा, ज्वालामुखी गतिविधि, बड़े बांधों का निर्माण या खदानों में किए जाने वाले विस्फोट जैसी मानवीय गतिविधियां भी छोटे भूकंपों का कारण बन सकती हैं। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल से मापी जाती है और यह एक प्राकृतिक आपदा है जो जान-माल की भारी क्षति कर सकती है, इसलिए भूकंप-प्रतिरोधी भवन निर्माण और पूर्व चेतावनी प्रणालियों का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सीआरपीएफ जवान ने सर्विस राइफल से खुद को गोली मारी, मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना बुधवार को हुई। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है और अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान आंध्र प्रदेश निवासी वाई. चंद्रा रेड्डी के रूप में हुई है। वह दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की एफ कंपनी में तैनात थे। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। अधिकारियों ने बताया कि जवान ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। साथ ही उसके सहकर्मियों और संबंधित अधिकारियों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके।

हापुड़ की फैक्ट्री में आग : एक मजदूर की दर्दनाक मौत

हापुड (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में धौलाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक गद्दा फैक्ट्री में आज सुबह तड़के लगी भीषण आग ने एक मजदूर की जान ले ली और एक अन्य को गंभीर रूप से झुलसा दिया। यह दर्दनाक घटना औद्योगिक सुरक्षा मानकों और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और तेजी से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। आग इतनी विकराल थी कि कई मजदूर फैक्ट्री के अंदर फंस गए थे, जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई थी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अजय कुमार शर्मा के अनुसार, आज तड़के करीब 4 बजकर 13 मिनट पर फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली। यह सूचना मिलते ही तत्काल यूपीएसआईडीसी चौकी पर तैनात वाटर बाउजर को घटनास्थल पर रवाना किया गया। आग की गंभीरता को देखते हुए, अग्निशमन केंद्र पिलखुआ से दो और हापुड़ से तीन वाटर टेंडर प्रभारी अग्निशमन अधिकारी के साथ घटनास्थल पर भेजे गए। रास्ते में ही, स्थिति की विकरालता को भांपते हुए, जनपद गाजियाबाद से भी दो अतिरिक्त वाटर बाउजर की मांग की गई और इसकी सूचना फायर सर्विस मुख्यालय को दी गई। दमकल की सभी टीमों ने मिलकर फैक्ट्री को चारों ओर से घेरकर एक संयुक्त अभियान चलाया और कड़ी मशक्कत के बाद कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

तेज रफ्तार कार लॉरी से टकराई, 7 की मौत, दो गंभीर रुप से घायल

-कार में नौ लोग सवार थे वे सभी चिकमगलूर की यात्रा पर जा रहे थे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में गुरुवार तड़के एक कार और लॉरी की आमने-सामने की टक्कर होने से सात लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक यह हादसा एनएच-52 पर अराबैल घाट इलाके में बालागारा क्रॉस के पास रात करीब 1.30 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि घायलों को पहले पास के अस्पताल ले जाया गया और बाद में हुबली रेफर कर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक एमयूवी में ड्राइवर समेत नौ लोग सवार थे और वे धारवाड़ से धर्मस्थल और चिकमगलूर की यात्रा पर जा रहे थे। जानकारी से पता चला है कि गाड़ी का ड्राइवर एक फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म के साथ पार्ट-टाइम डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करता था। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर संजीव तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। वह सड़क के एकदम दाईं ओर चला गया और अंकोला की ओर से आ रही लॉरी से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मरने वाले सभी लोग धारवाड़ के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान ड्राइवर संजय अंगड़ी (33), बसवराज (48), अभिषेक ईश्वर (28), अक्षय (26), अभिषेक (26) और मंजूनाथ चुलाकी (32) में हुई है।

दिल्ली को दहलाने वाली साजिश का बड़ा खुलासा

बस अड्डा, रेलवे स्टेशन और थाने समेत कई जगहों पर होने वाला था हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली को दहलाने की एक बड़ी आतंकी साजिश का दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भंडाफोड़ किया है, जिसमें गिरफ्तार पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके नेटवर्क से जुड़े छह संदिग्धों से पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, इन संदिग्धों के निशाने पर दिल्ली की न्यू पुलिस लाइंस, आनंद विहार अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) और एक रेलवे स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण स्थान थे। आरोपियों ने इन ठिकानों की बाकायदा रेकी की थी और इसके वीडियो भी उनके मोबाइल फोन से बरामद हुए हैं, जिन्हें पाकिस्तान में बैठे अपने हैंडलर को भेजा गया था।

स्पेशल सेल के अधिकारियों ने बताया कि अब तक की जांच में सामने आया है कि पकड़े गए संदिग्धों को पाकिस्तान में बैठा आईएसआई हैंडलर शहजाद भट्टी सीधे निर्देश दे रहा था। उसके निशाने पर केवल दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, बल्कि पूरा उत्तर भारत था, जिसमें कई बेहद महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान और भीड़भाड़ वाले इलाके शामिल थे। भट्टी भारत में युवाओं को बरगलाने और अपने नेटवर्क में शामिल करने के लिए इंस्टा, फेसबुक, यूट्यूब और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा लेता था। दिल्ली पुलिस ने इस गैंग से जुड़े करीब दर्जन भर आतंकी गिरोहों का भंडाफोड़ करते हुए पिछले एक साल में 60 से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और ऐसे 100 से अधिक संदिग्ध सोशल मीडिया अकाउंट्स और चैनलों को चिह्नित करके बंद करा चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार आतंकियों ने दिल्ली की न्यू पुलिस लाइंस (सिविल लाइंस), आनंद विहार अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी), एक रेलवे स्टेशन और दिल्ली के कई बेहद व्यस्त बाजारों की पूरी जानकारी जुटाने के लिए विस्तृत रेकी की थी। इन संवेदनशील स्थानों के रेकी वीडियो आरोपियों के मोबाइल फोन से बरामद हुए हैं, जिन्हें पाकिस्तान स्थित अपने आकाओं को भेजा गया था। स्पेशल सेल के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी दानिश उर्फ चांद मियां को दिल्ली में रेकी करने और पेट्रोल बम से हमला करने का जिम्मा सौंपा गया था, जिसके लिए भट्टी ने उसे 20 हजार रुपये का लालच दिया था। वहीं, सलमान को पेट्रोल बम हमले का वीडियो रिकॉर्ड करने की जिम्मेदारी दी गई थी ताकि उसे दुष्प्रचार के लिए इस्तेमाल किया जा सके। गिरफ्तार आरोपियों और भट्टी के बीच हुई बातचीत के अंश भी सामने आए हैं, जिसमें भट्टी दानिश से मटेरियल (सामान) शाम को डिलीवर हो जाएगा, कलेक्ट कर लो और क्या पूरा सामान मिल गया? जैसे निर्देश देता है। जवाब में दानिश सबकुछ कलेक्ट कर लिया कहता है और फिर अगला टास्क क्या है? पूछता है, जिस पर भट्टी मटेरियल को पूरी सुरक्षा के साथ तैयार रखो और अगला हुक्म मिलने का इंतजार करो का आदेश देता है। स्पेशल सेल की जांच में यह भी स्पष्ट हुआ है कि ये छह आरोपी केवल शहजाद भट्टी ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान में बैठे 10 अन्य संदिग्धों के भी लगातार संपर्क में थे, जो भट्टी नेटवर्क के लिए ही काम करते हैं। पुलिस अब इन सभी विदेशी हैंडलर्स की भूमिका और भारत में उनके बाकी स्लीपर सेल्स की तलाश में गहन जांच कर रही है, ताकि इस पूरे आतंकी नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जा सके।

दिल्ली के रिज इलाके में सामान्य से दोगुनी बारिश, एक्युआई 10 महीने में सबसे शुद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जुलाई की शुरुआत के साथ ही मानसून का आक्रामक रूप देखने को मिल रहा है। दिल्ली के रिज क्षेत्र में जुलाई के शुरुआती आठ दिनों में सामान्य से दोगुनी से भी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। इस मूसलाधार बारिश ने जहां एक तरफ दिल्लीवालों को भीषण जाम और जलभराव की मुसीबत में डाल दिया, वहीं दूसरी तरफ शहर की हवा को पिछले 10 महीनों में सबसे साफ और शुद्ध बना दिया है। भारी बारिश के कारण शहर की सड़कों पर जलभराव और जाम के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। आईएमडी के मुताबिक रिज मौसम केंद्र में 1 जुलाई से 8 जुलाई सुबह 8.30 बजे तक 79.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि इस अवधि के लिए दीर्घकालिक औसत 31.2 मिमी है। बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव और यातायात जाम की स्थिति पैदा हो गई। रोहतक रोड पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं, जहां पंजाबी बाग और शादीपुर के बीच कई घंटों तक यातायात ठप रहा। कम दृश्यता और जलभराव के कारण रिंग रोड, आउटर रिंग रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा। शहर का 24 घंटे का एक्यूआई 59 दर्ज किया गया, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में था। 4 सितंबर 2025 के बाद बुधवार को एक्यूआई सबसे कम रहा। उस दिन एक्यूआई 58 दर्ज किया गया था। सीपीसीबी के मुताबिक शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा' माना जाता है, जबकि 51 से 100 के बीच का एक्यूआई 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है। आईएमडी ने गुरुवार के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है और आमतौर पर बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के मुताबिक अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 30 डिग्री सेल्सियस और 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

एथनॉल उत्पादन पर निर्भर नहीं है गडकरी परिवार: नितिन गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत की एथनॉल नीति को लेकर जारी चर्चाओं के बीच अपनी स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने एथनॉल उत्पादन में अपनी हिस्सेदारी और इससे जुड़े आर्थिक लाभों के आरोपों पर खुलकर जवाब दिया। एक हालिया साक्षात्कार में, गडकरी ने उन दावों को सिरे से खारिज किया कि वह एथनॉल नीति से कोई बड़ा आर्थिक फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि एथनॉल के उत्पादन में उनकी भागीदारी अत्यंत छोटी है, जो मात्र 0.07 प्रतिशत है। इतनी कम हिस्सेदारी के साथ किसी भी बड़े आर्थिक लाभ की बात को उन्होंने निराधार बताया और यह भी कहा कि 0.07 प्रतिशत हिस्सेदारी वाला व्यक्ति देश की इतनी महत्वपूर्ण नीति को अपने निजी लाभ के लिए प्रभावित नहीं कर सकता।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि वह हमेशा वैकल्पिक ईंधन के प्रबल समर्थक रहे हैं, न कि केवल एथनॉल के। उनके अनुसार, एथनॉल का व्यापक उपयोग किसानों के लिए अत्यधिक लाभकारी है। उन्होंने बताया कि एथनॉल नीति का निर्णय अकेले उनके द्वारा नहीं लिया गया है, बल्कि यह पेट्रोलियम मंत्रालय, कैबिनेट और गहन वैज्ञानिक अनुसंधान के बाद एक सामूहिक प्रक्रिया का परिणाम है। उन आरोपों का भी उन्होंने जवाब दिया जिनमें कहा गया था कि उनके परिवार के सदस्यों की चीनी मिलें एथनॉल उत्पादन में शामिल हैं और इसलिए वे एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा दे रहे हैं। गडकरी ने स्पष्ट किया कि उनके परिवार की चीनी मिलें एथनॉल उत्पादन पर निर्भर नहीं हैं।उन्होंने यह भी बताया कि देश में एथनॉल की अधिकता के कारण मक्के से एथनॉल बनाने का कदम उठाया गया, जिससे उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों को 45,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हुई। गडकरी ने आंकड़े देते हुए बताया कि जब यह निर्णय लिया गया, तब मक्के की बाजार कीमत 1,200 रुपये प्रति क्विंटल थी, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य 1,800 रुपये प्रति क्विंटल था। इस नीति के परिणामस्वरूप, मक्के की कीमत बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई, जिससे किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिला। ई20 ईंधन के इस्तेमाल से वाहनों को नुकसान पहुंचने की अफवाहों पर भी गडकरी ने मंगलवार को कड़ा रुख अपनाया था। उन्होंने चुनौती दी कि कोई भी एक ऐसी कार का नाम बताए जिसमें ई20 पेट्रोल के कारण कोई समस्या आई हो। उन्होंने आरोप लगाया कि एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल को लेकर गलत बातें फैलाई जा रही हैं और यह एक पैसे से चलाया जा रहा अभियान है।

मणिपुर में नगा-कुकी संघर्ष ने बढ़ाई चिंता, पांच माह में 25 की मौत

असम राइफल्स पर हमले में शहीद जवानों को राजकीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि अर्पित

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में मई 2023 से जारी मैतेई-कुकी जातीय हिंसा के बीच अब नगा और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। राज्य के उखरुल और आसपास के क्षेत्रों में इस वर्ष फरवरी से शुरू हुए ताजा संघर्ष में अब तक 25 लोगों की जान जा चुकी है। हाल के महीनों में हिंसा की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है, जिससे राज्य में शांति बहाली की कोशिशों को झटका लगा है।

इस तनाव का असर सुरक्षा बलों पर भी पड़ा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को भारत-म्यांमार सीमा की निगरानी कर रहे असम राइफल्स के एक काफिले पर हमला किया गया, जिसमें उत्तराखंड के दो जवान शहीद हो गए। गुरुवार को इंफाल हवाई अड्डे पर दोनों शहीदों को पूरे राजकीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी गई। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें अंतिम विदाई दी। इसके बाद दोनों जवानों के पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक गांव भेज दिए गए।

नगा समुदाय ने असम राइफल्स पर भारत-म्यांमार की लगभग 398 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की प्रभावी निगरानी नहीं कर पाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सीमा पार से सक्रिय सशस्त्र संगठन 'कुकी नेशनल आर्मी (बर्मा)' के सदस्य म्यांमार से भारतीय सीमा में प्रवेश कर नगा बहुल गांवों पर हमले कर रहे हैं। नगा संगठनों का आरोप है कि सुरक्षा बलों का रवैया कुकी समुदाय के प्रति अपेक्षाकृत नरम रहा है, जिससे सीमा पार गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। नगा समुदाय में नाराजगी उस समय और बढ़ गई जब 10 जून को छह अगवा किए गए नगा लोगों के क्षत-विक्षत शव बरामद हुए।

इसके अलावा कामजोंग जिले में नगा गांवों में आगजनी की घटनाओं ने तनाव को और गहरा कर दिया। इन घटनाओं के बाद दोनों समुदायों के बीच अविश्वास बढ़ा है और स्थानीय स्तर पर स्थिति लगातार संवेदनशील बनी हुई है। सुरक्षा एजेंसियां प्रभावित इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात कर हालात पर नजर रखे हुए हैं। प्रशासन ने हिंसा पर नियंत्रण और दोनों समुदायों के बीच तनाव कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही है, जबकि सीमा क्षेत्रों में निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है।

अखिलेश ने शंकराचार्य से लिया आशीर्वाद, दोनों ने मंदिर घोटाले को लेकर बीजेपी पर साधा निशाना

लखनऊ(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने गुरुवार सुबह लखनऊ में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। यह 30 मिनट की मुलाकात, जिसमें अखिलेश जमीन पर बैठे दिखाई दिए, चार माह में दोनों नेताओं की दूसरी बैठक थी। इस भेंट के बाद अखिलेश यादव ने बताया कि शंकराचार्य गौमाता को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने को लेकर बेहद चिंतित हैं और इस दिशा में काम कर रहे हैं। वहीं, शंकराचार्य ने मंदिर में हुए कथित घोटाले पर खुलकर बात की, मुख्यमंत्री पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाकर इतना तक कह दिया कि जब नया मुख्यमंत्री आएगा, तब तगड़ी कार्रवाई करेगा। शंकराचार्य, जो गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए 81 दिवसीय गोरक्षार्थ-धर्मयुद्ध यात्रा पर हैं, ने अखिलेश से हुई बातचीत में कहा कि भले ही लोग गाय को माता मानते हों, लेकिन सरकार गाय को पशु मानती है। सपा प्रमुख अखिलेश ने शंकराचार्य के आरोपों का समर्थन कर राम मंदिर चढ़ावे की चोरी को महापाप बताया और सीधे तौर पर भाजपा पर निशाना साधा, कहते हुए कि इन्होंने ही यह महापाप किया है। उन्होंने दावा किया कि मामले के सामने आने के बाद भाजपा में भगदड़ मच गई है और बहुत से लोग अभी से उनसे संपर्क साध रहे हैं, जबकि मौजूदा एसआईटी जांच को उन्होंने लीपापोती करार दिया। सपा प्रमुख यादव ने कहा कि यदि मंदिर परिसर में काम करने वाले लोगों की सीडीआर निकाली जाए, तब 99 प्रतिशत लोग भाजपा के ही निकलेंगे। जिसके बाद पार्टी में ऐसी भगदड़ मचेगी जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती, और उन्होंने इंगित किया कि एसआईटी के एक सदस्य पर 420 का मुकदमा है, जो इस जांच की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

निज्जर हत्याकांड पर नए घटनाक्रम के बीच बयानबाजी तेज

-पूर्व विदेश सचिव ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की 2023 में हुई हत्या के मामले में हालिया जांच संबंधी घटनाक्रम के बाद भारत-कनाडा संबंधों को लेकर एक बार फिर राजनीतिक और कूटनीतिक बहस तेज हो गई है। कनाडा की पुलिस ने हाल में कहा है कि मौजूदा संगठित अपराध संबंधी जांच और दायर आरोपों में भारतीय सरकारी अधिकारियों की संलिप्तता का कोई साक्ष्य सामने नहीं आया है।

इसी घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिका के क्रिस्टोफर क्लैरी ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की कि कनाडाई अधिकारी इस मुद्दे पर सीधे जवाब देने से बच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आधिकारिक बयान विवाद के मूल प्रश्न से ध्यान हटाने का प्रयास प्रतीत होता है। इस टिप्पणी पर भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि यदि जांच एजेंसियां यह कह रही हैं कि उपलब्ध जांच और आरोपों में भारतीय सरकार से जुड़ा कोई साक्ष्य नहीं मिला है, तो इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटनाक्रम से पूर्व में लगाए गए आरोपों पर नए सिरे से चर्चा की आवश्यकता महसूस होती है।

कनाडा की जांच एजेंसियों का कहना है कि हालिया कार्रवाई मुख्य रूप से संगठित अपराध गिरोहों के खिलाफ की गई है। इसी क्रम में अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके सहयोगियों पर निज्जर हत्या की साजिश रचने के आरोप लगाए हैं। हालांकि, अमेरिकी अभियोग में भी भारतीय सरकार पर प्रत्यक्ष आरोप नहीं लगाया गया है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता का आरोप लगाया था, जिसे भारत ने शुरू से ही निराधार बताते हुए खारिज किया था। हालिया घटनाक्रम के बाद दोनों देशों के बीच इस मामले को लेकर बहस एक बार फिर चर्चा में है, जबकि जांच से जुड़े अन्य पहलुओं पर संबंधित एजेंसियों की कार्रवाई जारी है।

ममता बनर्जी ने घर के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं को जड़े थप्पड़

-टीएमसी की रैली में हुआ था जोरदार हंगामा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की विरोध रैली के दौरान उस समय तनावपूर्ण स्थिति बन गई, जब रैली पर कथित तौर पर अंडे फेंके गए और भाजपा तथा टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। इस घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने आवास के बाहर मौजूद भीड़ पर नाराज होती दिखाई दीं और धक्का-मुक्की के दौरान उन्होंने अपनी ही पार्टी के तीन कार्यकर्ताओं को थप्पड़ जड़ दिए। इस घटना के वीडियो फुटेज अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। टीएमसी ने यह रैली बारुईपुर में 11 वर्षीय बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में निकाली थी। पार्टी को इस रैली के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय से अनुमति मिली थी। रैली बालीगंज फाड़ी से हाजरा क्रॉसिंग तक निकाली जा रही थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने रैली में शामिल कार्यकर्ताओं पर अंडे फेंके और 'चोर-चोर' के नारे लगाए, जिसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। टीएमसी ने आरोप लगाया कि हंगामा भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया। पार्टी का कहना है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा समर्थकों ने रैली में व्यवधान डालने का प्रयास किया और मारपीट की घटनाएं भी हुईं। वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य में अराजकता फैलाने की कोशिश की जा रही है और पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रही है। रैली के दौरान बालीगंज स्थित मुख्यमंत्री के आवास के पास भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प बढ़ गई, जिसके बाद पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज भी किया। घटना के बाद बड़ी संख्या में टीएमसी कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री के घर के बाहर पहुंच गए। भीड़ और धक्का-मुक्की के बीच ममता बनर्जी लोगों को पीछे हटने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कहती नजर आईं। इसी दौरान उन्होंने सामने मौजूद तीन लोगों को कथित तौर पर थप्पड़ मारे, जिसका वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। उल्लेखनीय है कि बारुईपुर में 11 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में मुख्य आरोपी प्रभास मंडल पुलिस मुठभेड़ में मारा जा चुका है, जबकि फरार आरोपी कबीर मोल्ला को गिरफ्तार कर लिया गया है।

तबाही मचाने आ रहा है महातूफान बावी, कई देशों में हाई अलर्ट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशांत महासागर में उठा फ्रांस के आकार का महाविनाशकारी टाइफून बावी अब ताइवान और चीन की ओर तेजी से बढ़ रहा है। 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाले इस शक्तिशाली तूफान के कारण ताइवान, चीन और जापान में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। गुरुवार को यह तूफान ताइवान के दक्षिण-पूर्व में पहुंच गया है, हालांकि रात भर में इसकी हवाओं की गति में मामूली कमी आई है, लेकिन इसका खतरा अभी भी बहुत बड़ा है। प्रशासन ने इसे कई वर्षों में सबसे शक्तिशाली तूफान बताते हुए निवासियों से अपील की है कि वे जरूरी सामानों का स्टॉक कर लें और किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार रहें। मौसम विज्ञान के आंकड़ों के अनुसार, टाइफून बावी का भारत पर सीधा कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। दरअसल, यह महातूफान प्रशांत महासागर में बना है और इसका ट्रैक उत्तर-पश्चिम की ओर, यानी ताइवान, पूर्वी चीन और दक्षिणी जापान की ओर है, इसलिए भारत के किसी भी तटीय इलाके में इसके टकराने की कोई आशंका नहीं है। हालांकि, मौसम विज्ञान के नजरिए से प्रशांत महासागर के इतने विशाल तूफानों का एशियाई मौसम प्रणालियों पर अप्रत्यक्ष असर जरूर देखने को मिलता है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, टाइफून बावी के विशाल घेरे के कारण फिलीपींस और दक्षिण-चीन सागर के आसपास चलने वाला दक्षिण-पश्चिम मॉनसून (हबागाट) काफी तीव्र हो गया है। बावी के असर से वहां भारी बारिश और बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। इसका मतलब है कि तूफान ने उस क्षेत्र के मानसून को अतिरिक्त ऊर्जा दे दी है, जो आमतौर पर भारतीय सिस्टम से नमी को दूर ले जाता है।

1,000 किमी के क्षेत्र में फैला

वर्तमान में, यह तूफान अपने सबसे चौड़े बिंदु पर लगभग 1,000 किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है, जो आकार में लगभग फ्रांस देश की चौड़ाई के बराबर है। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार, यह तूफान ताइवान के उत्तरी हिस्से को छूते हुए शनिवार शाम को चीन के पूर्वी फुजियान प्रांत के तटों से टकराएगा। ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन के अधिकारी जेसन चांग ने बताया कि आकार के लिहाज से यह 1987 के बाद ताइवान से टकराने वाला सबसे बड़ा तूफान है, और हाल के वर्षों में इतने बड़े आकार के तूफानों का आना बहुत दुर्लभ रहा है।

चीन और जापान व ताइवान का हाल

भारत के पड़ोसी देश चीन और जापान व ताइवान जैसे देश जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार विनाशकारी मौसमी घटनाओं का सामना कर रहे हैं। वैज्ञानिकों के लिए यह साल विशेष चिंता का विषय है क्योंकि अल नीनो प्रभाव के उभरने की उम्मीद है, जिसके कारण समुद्र का तापमान बढ़ता है और इस तरह के टाइफून अधिक बार तथा कहीं ज्यादा विनाशकारी रूप में आते हैं। एक्यूवेदर के अनुसार, अगर टाइफून बावी अपनी मौजूदा ताकत बनाए रखता है, तो यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 2024 में आए सुपर टाइफून कोंग-रे के बाद सबसे शक्तिशाली तूफान बन जाएगा।

गांव बाहर भोज: मेवाड़ की लोक संस्कृति और सामूहिक परंपरा का जीवंत उत्सव

अच्छी बारिश की कामना से जुड़ा अनूठा आयोजन, दाल-बाटी-चूरमा के सामूहिक भोज से निभाई जाती है सदियों पुरानी परंपरा

स्मार्ट हलचल| आकोला

मेवाड़ अंचल की समृद्ध लोक संस्कृति में 'गांव बाहर भोज' (गांव-बारो) एक ऐसा पारंपरिक उत्सव है, जो केवल सामूहिक भोजन तक सीमित नहीं बल्कि प्रकृति, आस्था, सामाजिक एकता और पारिवारिक रिश्तों का अनूठा संगम माना जाता है। अच्छी वर्षा और समृद्ध फसल की कामना के साथ गांव-ढाणी और मजरे में आज भी यह परंपरा कई स्थानों पर जीवित है।

जानकारी के अनुसार करीब तीन-चार दशक पहले तक यह आयोजन गांव की सीमा से बाहर खेतों, खलिहानों, कुओं के पास या बरगद, पीपल, नीम, इमली और खेजड़ी जैसे छायादार वृक्षों के नीचे सामूहिक रूप से आयोजित किया जाता था। गांव के बुजुर्गों की सहमति से दिन तय होता और कई परिवार मिलकर दाल-बाटी-चूरमा का सामूहिक भोज तैयार करते थे।

इस परंपरा की शुरुआत गांव के खेड़ा देवता और लोक देवी-देवताओं के लिए चंदा एकत्रित कर भोग लगाने से होती थी। निर्धारित दिन गांव के भोपे, हजूरिये और दमामी ढोल-नगाड़ों के साथ देव-स्थानों पर पूजा-अर्चना करते थे। गांव के संवदिया द्वारा दो दिन पहले पूरे गांव में घूमकर इस आयोजन और रतजगे की सूचना दी जाती थी।

इसके बाद गांव बाहर भोज के लिए बहनों, बेटियों और रिश्तेदारों को न्योता भेजा जाता था। आयोजन से एक दिन पहले ही रिश्तेदार गांव पहुंचने लगते थे। सुबह तड़के सभी लोग भोजन सामग्री लेकर खेतों की ओर निकलते, जहां कंडों की आग पर बाटियां सेंकी जातीं और पंचमेल दाल तैयार की जाती थी। उस समय घर का शुद्ध देसी घी और गुड़ से बना चूरमा इस भोज का प्रमुख आकर्षण होता था। ढाक (पलाश) के पत्तों से वहीं पत्तल और दोने तैयार किए जाते थे।

भोजन शुरू होने से पहले देवताओं को भोग लगाया जाता, पशु-पक्षियों और चींटियों के लिए भी अन्न निकाला जाता तथा महिलाएं लोकगीत गाकर अच्छी वर्षा और खुशहाली की कामना करती थीं। इसके बाद पूरा गांव एक साथ बैठकर प्रेम और भाईचारे के साथ भोजन करता था।

हालांकि बदलते समय और शहरीकरण के प्रभाव से इस परंपरा का स्वरूप बदल गया है। अब अधिकांश परिवार खेतों के बजाय अपने घरों में ही सीमित रूप से यह आयोजन करने लगे हैं। शुद्ध देसी घी और गुड़ की जगह बाजार का घी और चीनी ने ले ली है, जिससे पारंपरिक स्वाद और आत्मीयता में भी बदलाव आया है।

ग्रामीणों और लोक संस्कृति से जुड़े लोगों का मानना है कि 'गांव बाहर भोज' केवल एक भोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, पारिवारिक मेल-मिलाप, प्रकृति के प्रति आस्था और लोक परंपराओं को जीवित रखने वाला सांस्कृतिक उत्सव है। इस परंपरा का संरक्षण आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के लिए आवश्यक है।

जैन साधना संस्थान को आधी राहत, आधा झटका: नई सीजिंग पर रोक

जिला न्यायाधीश का आदेश— यूआईटी नोटिस पर आगे कार्रवाई नहीं करेगा, लेकिन पहले से सीज परिसर खोलने के निर्देश नहीं

स्मार्ट हलचल |भीलवाड़ा

जैन दिवाकर चरण साधना सेवा संस्थान और नगर विकास न्यास गुरुवार को एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए यूआईटी को 27 फरवरी 2026 के नोटिस के आधार पर फिलहाल कोई नई कार्रवाई करने, संपत्ति को पुनः सीज करने अथवा मौके की यथास्थिति में बदलाव करने से रोक दिया है। हालांकि न्यायालय ने पहले से सीज किए गए परिसर को डी-सील (सील खोलने) का कोई आदेश नहीं दिया।

संस्थान की ओर से अधिवक्ता अमित कोठारी ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए कहा कि केवल यथास्थिति बनाए रखने का आदेश पर्याप्त नहीं है, क्योंकि यूआईटी नोटिस के आधार पर कार्रवाई कर सकता है। इस पर जिला न्यायाधीश अभय कुमार जैन ने अंतरिम निषेधाज्ञा के अंतिम निर्णय तक यूआईटी को नोटिस के आधार पर कार्रवाई नहीं करने के निर्देश दिए।

सुनवाई के दौरान संस्थान ने उपहारनामा, बिजली बिल, रसीदें और अन्य दस्तावेज पेश कर कब्जे का दावा किया, जबकि यूआईटी ने संपत्ति को पहले से सीज होना और संस्थान को अतिक्रमणकारी बताया। जिला न्यायाधीश जैन ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि संपत्ति के स्वामित्व, कब्जे की वैधता और दस्तावेजों की वास्तविकता का अंतिम निर्णय मूल वाद की सुनवाई के बाद ही होगा।

कानूनी जानकारों के अनुसार, न्यायालय ने पहले से सीज परिसर को खोलने संबंधी कोई स्पष्ट निर्देश नहीं दिए हैं। ऐसे में पूर्व में सीज किया गया क्षेत्र यथावत रहेगा। मामले को आगे की सुनवाई के लिए निचली अदालत को रिमांड कर दिया गया है। इससे संस्थान को नई कार्रवाई से तो राहत मिली है, लेकिन सीज परिसर खुलवाने के मामले में फिलहाल कोई राहत नहीं मिली।

एनर्जी ड्रिंक' के नाम पर बिक रही 2950 स्टिंग बोतलें जब्त, स्वास्थ्य महकमा की बड़ी कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में चल रहे 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत चिकित्सा विभाग ने शुक्रवार को शहर में बड़ी कार्रवाई करते हुए स्टिंग ब्रांड की 2950 कैफीनेटेड पेय पदार्थ (एनर्जी ड्रिंक के नाम से बेची जा रही) बोतलों को जब्त कर लिया। खाद्य सुरक्षा टीम ने मौके से नमूने लेकर जांच के लिए अधिकृत प्रयोगशाला, अजमेर भेज दिए हैं। रिपोर्ट आने के बाद संबंधित फर्म के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि एफएसएसएआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार कैफीनेटेड पेय पदार्थों पर 'एनर्जी ड्रिंक' या 'स्पोर्ट्स ड्रिंक' जैसे दावे भ्रामक श्रेणी में आते हैं। उपभोक्ताओं को भ्रमित होने से बचाने और खाद्य सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित करने के लिए जिलेभर में अभियान लगातार जारी रहेगा।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक यादव के नेतृत्व में यह कार्रवाई मैसर्स मनोज इंटरप्राइजेज पर की गई। उन्होंने बताया कि अधिक कैफीन वाले पेय पदार्थों का अनियंत्रित सेवन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। विभाग ने आमजन से अपील की है कि खाद्य एवं पेय पदार्थ खरीदते समय लेबल और वैधानिक जानकारी अवश्य जांचें तथा भ्रामक दावों वाले उत्पादों से सतर्क रहें।

'नमो' उद्यान में बड़ा खेल! 9 लाख के जिम उपकरण गायब

स्टोर इंचार्ज ने बताया 'टेक्निकल प्रॉब्लम', ठेकेदार बोला- भुगतान नहीं मिला, इसलिए खोल लिए उपकरण

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। नगर पालिका की ओर से आमजन को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नमो उद्यान में करीब 9 लाख रुपये की लागत से लगाए गए ओपन जिम के व्यायाम उपकरण अब रहस्यमय तरीके से गायब हो गए हैं। मौके पर सिर्फ टीनशेड खड़ा है, जबकि जिन उपकरणों के सहारे लोगों को व्यायाम करना था, उनका कहीं नामोनिशान नहीं दिखता।

जब इस पूरे मामले की पड़ताल की गई तो चौंकाने वाला खुलासा सामने आया। पत्रकारों की टीम ने जानकारी जुटाई तो व्यायाम के सभी उपकरण मातोलाई रोड पर काना लुहार के मकान की चारदीवारी के भीतर रखे हुए मिले।

मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि उपकरण हटाए गए थे तो इसकी कोई सार्वजनिक सूचना क्यों नहीं दी गई? आखिर लाखों रुपये के सरकारी सामान को उद्यान से हटाकर निजी स्थान पर किसके आदेश से रखा गया? इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? मामले में पालिका स्टोर इंचार्ज आशा शर्मा का कहना है कि 'टेक्निकल प्रॉब्लम की वजह से व्यायाम के सामान हटाए गए हैं।' हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि समस्या क्या थी और उपकरण दोबारा कब लगाए जाएंगे।

वहीं ठेकेदार जियाउल हक ने अलग ही दावा किया। उनका कहना है कि 'नगर पालिका प्रशासन ने भुगतान नहीं किया, इसलिए व्यायाम के उपकरण खोल दिए गए।' दोनों पक्षों के अलग-अलग बयानों ने पूरे

मामले को और अधिक संदेहास्पद बना दिया है। यदि भुगतान विवाद था तो उद्घाटन से पहले ही इसका समाधान क्यों नहीं किया गया? और यदि तकनीकी खराबी थी तो उपकरण निजी स्थान पर क्यों रखे गए? अब शहरवासियों के बीच चर्चा है कि क्या 'नमो उद्यान' केवल उद्घाटन और फोटो सेशन तक ही सीमित रह गया है? करोड़ों और लाखों की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचे, इसके लिए पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। अब देखना यह होगा कि नगर पालिका इस पूरे मामले में क्या स्पष्टीकरण देती है और 9 लाख रुपये के व्यायाम उपकरण दोबारा नमो उद्यान में कब तक लगते हैं।

13 जुलाई से राजस्थान में चक्का जाम, भीलवाड़ा ट्रांसपोर्ट नगर रहेगा बंद

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। सरकार की ट्रांसपोर्ट विरोधी नीतियों के विरोध में 13 जुलाई से प्रस्तावित राज-स्थानव्यापी चक्का जाम को लेकर भीलवाड़ा गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने पूरी ताकत से आंदोलन में उतरने का ऐलान किया है। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित यूनियन हॉल में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 13 जुलाई से भीलवाड़ा ट्रांसपोर्ट नगर पूरी तरह बंद रहेगा और किसी भी प्रकार का माल परिवहन नहीं किया जाएगा।

बैठक की अध्यक्षता विश्वबंधु सिंह राठौड़ ने की, जबकि संचालन सचिव अरिहंत जैन ने किया। बैठक में बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्टर, ट्रक, ट्रेलर और मोटर मालिक मौजूद रहे। निर्णय लिया गया कि बाहर से आने वाले मालवाहक वाहनों की अनलोडिंग भी केवल एसोसिएशन के पदाधिकारियों की अनुमति से ही होगी। बैठक में वक्ताओं ने बताया कि 4 जुलाई को भीलवाड़ा बंद और वाहन रैली के माध्यम से जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया था, जबकि 8 जुलाई को जयपुर के शहीद स्मारक पर हुए प्रदेशस्तरीय धरने में भी भीलवाड़ा के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वहीं प्रदेशभर के ट्रांसपोर्ट संगठनों ने सरकार द्वारा मांगें नहीं माने जाने पर 13 जुलाई से चरणबद्ध आंदोलन और चक्का जाम का निर्णय लिया।

अध्यक्ष विश्वबंधु सिंह राठौड़ ने आरोप लगाया कि सरकार ट्रांसपोर्ट व्यवसाय की वर्षों पुरानी जायज मांगों की लगातार अनदेखी कर रही है। उद्योग का दर्जा देने सहित कई मांगें लंबित हैं, जबकि नई नीतियों से ट्रांसपोर्ट कारोबार पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने अब भी सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन पूरे प्रदेश में व्यापक और जरूरत पड़ने पर अनिश्चितकालीन होगा।

सचिव अरिहंत जैन ने कहा कि यह आंदोलन केवल ट्रांसपोर्टरों का नहीं, बल्कि व्यापार, उद्योग और प्रदेश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा जनहित का मुद्दा है। वहीं संरक्षक जयकुमार पाटनी ने व्यापारिक संगठनों, उद्योगपतियों और आमजन से आंदोलन को सफल बनाने की अपील की। बैठक के अंत में सभी ट्रांसपोर्टरों ने मांगें पूरी होने तक एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

30 साल से जिस नहर पर था अतिक्रमण, प्रशासन ने करवाया मुक्त

स्मार्ट हलचल| बनेड़ा

उपखंड सर्किल के डाबला पटवार सर्किल के कुंडियाखुर्द गांव के पास सरेडी बांध की नहर पर कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर के 30 साल से बंद कर रखा था।जिसको राजस्व विभाग की टीम द्वारा अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

तहसीलदार के द्वारा गठित राजस्व विभाग की टीम द्वारा गुरुवार को कुंडियाखुर्द गांव की सरकारी आराजी नंबर 13 गैर मुमकिन नहर पर गांव के ही कुछ व्यक्तियों द्वारा सरकारी नहर को करीबन 30 वर्षों से अवैध रूप से बंद कर रखा था। जिसे राजस्व टीम के द्वारा जेसीबी की मदद से नहर का खुलासा करवाया गया । इस कार्यवाही के दौरान राजस्व विभाग की टीम में पारस मल लक्षकार (भू अ नि डाबला), पटवारी कान्ता (पटवार हल्का डाबला), पटवारी ललिता मीणा, ओमप्रकाश सुवालका, फूलचंद बलाई , ग्राम पंचायत डाबला के प्रशासक प्रद्युमन सिंह राठौड़ एवं संबंधित खातेदार, ग्राम वासियों के सहयोग से नहर को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

चरागाह भूमि विवाद में प्रशासन की कार्रवाई, अतिक्रमण हटाने के बाद शाहपुरा की राजनीति गरमाई

स्मार्ट हलचल | शाहपुरा

शाहपुरा क्षेत्र में सरकारी चरागाह भूमि से जुड़े विवाद में शुक्रवार को प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए विवादित भूमि से अतिक्रमण हटाया। राजस्व विभाग एवं प्रशासन की टीम की मौजूदगी में हुई इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र की राजनीति गरमा गई है। मामले को लेकर विपक्ष ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है।

जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से शाहपुरा विधायक लालाराम बैरवा एवं उनके परिवार से जुड़ी एक गौशाला संस्था के नाम पर सरकारी चरागाह भूमि के आवंटन एवं उपयोग को लेकर विभिन्न आरोप लगाए जा रहे थे। इस संबंध में समाचार सामने आने और दस्तावेज सार्वजनिक चर्चा का विषय बनने के बाद प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।

सूत्रों के अनुसार संबंधित भूमि के आवंटन एवं उपयोग को लेकर पूर्व में भी प्रशासनिक स्तर पर आपत्तियां दर्ज की गई थीं। शुक्रवार को हुई कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने विवादित हिस्से से अतिक्रमण हटाया तथा पूरे घटनाक्रम का रिकॉर्ड तैयार किया। इस प्रकरण पर कांग्रेस नेताओं ने निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस के शाहपुरा-बनेड़ा विधानसभा क्षेत्र से विधायक प्रत्याशी नरेन्द्र कुमार रेगर ने आरोप लगाया कि यदि मामले में सरकार या प्रशासन की कोई भूमिका नहीं है तो संबंधित समिति एवं दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए, जिससे जनता और गौमाता को न्याय मिल सके।

वहीं कांग्रेस के प्रदेश सचिव एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष मनीष नायक ने कहा कि गौशालाओं के नाम पर भूमि आवंटन में यदि किसी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार हुआ है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गौ सेवा के नाम पर किसी भी प्रकार की अनियमितता या निजी लाभ स्वीकार्य नहीं है तथा दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

सोमिला स्कूल की युविका सिंह का राज स्तरीय फुटबॉल टीम में चयन

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। सोमिला स्कूल गंगापुर की प्रतिभाशाली छात्रा एवं फुटबॉल खिलाड़ी युविका सिंह का चयन भीलवाड़ा फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर-14 सब जूनियर बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए किया गया है।युविका सिंह के चयन पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है।विद्यालय के फुटबॉल कोच श्री त्रिलोक सिंह राठौड़ समर्पण और निरंतर अभ्यास के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। संस्था के निदेशक हर्ष अग्रवाल ने कहा कि युविका के शानदार प्रदर्शन कर सोमिला स्कूल गंगापुर भीलवाड़ा का नाम रोशन किया है।

न्यू लुक स्कूल विवाद में जिला न्यायालय का बड़ा फैसला, प्रकरण में फिर होगी सुनवाई

प्रतिष्ठित न्यू लुक स्कूल मालिकाना विवाद ने फिर पकड़ी रफ्तार, महेन्द्र पारख व अनिमेश पारख के विरुद्ध मामले में फिर शुरू होगी न्यायिक प्रक्रिया

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर के कोटा रोड स्थित प्रतिष्ठित न्यू लुक सोसायटी स्कूल के मालिकाना हक को लेकर वर्षों से चल रहे विवाद में महत्वपूर्ण न्यायिक घटनाक्रम सामने आया है। जिला एवं सत्र न्यायालय, भीलवाड़ा ने थाना सुभाष नगर में दर्ज प्रकरण में पुलिस द्वारा प्रस्तुत की गई अंतिम रिपोर्ट (एफआर) को प्रक्रिया के अनुरूप नहीं मानते हुए मामले में पुनः सुनवाई के आदेश दिए हैं। न्यायालय के इस फैसले से लंबे समय से विवादों में घिरे इस मामले में एक बार फिर न्यायिक प्रक्रिया तेज हो गई है। यह विवाद बांसवाड़ा निवासी प्रदीप कोठारी की न्यू लुक सोसायटी तथा भीलवाड़ा निवासी महेन्द्र पारख द्वारा संचालित न्यू लुक एज्यूकेशन सोसायटी के बीच स्कूल के स्वामित्व एवं संचालन अधिकार को लेकर लंबे समय से चला आ रहा है। दोनों पक्षों के बीच विभिन्न न्यायालयों में भी मामला विचाराधीन रहा है। प्रदीप कोठारी की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता अभिमन्यु जोशी एवं दुर्गा सिंह शेखावत ने बताया कि वर्ष 2025 में थाना सुभाष नगर में दर्ज मुकदमे की जांच के बाद पुलिस ने प्रकरण को असत्य मानते हुए अंतिम रिपोर्ट (एफआर) न्यायालय में प्रस्तुत कर दी थी। अधिवक्ताओं का आरोप है कि यह एफआर 11 जुलाई 2025 को पीड़ित पक्ष की अनुपस्थिति में न्यायालय के समक्ष पेश की गई तथा बिना किसी पूर्व सूचना या आपत्ति का अवसर दिए न्यायालय से स्वीकार भी करा ली गई। इस कार्रवाई को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत बताते हुए प्रदीप कोठारी की ओर से जिला एवं सत्र न्यायालय में निगरानी याचिका (रिवीजन) दायर की गई। याचिका में यह तर्क रखा गया कि एफआर स्वीकार करने से पहले परिवादी को सुनवाई का अवसर दिया जाना आवश्यक था, जबकि ऐसा नहीं किया गया। मामले की सुनवाई के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने प्रस्तुत तथ्यों एवं अभिलेखों का अवलोकन करते हुए निगरानी याचिका स्वीकार कर ली। न्यायालय ने न्यायिक मजिस्ट्रेट (पश्चिम), भीलवाड़ा को निर्देश दिए हैं कि आरोपी महेन्द्र पारख एवं अनिमेश पारख के विरुद्ध दर्ज प्रकरण में विधि के अनुसार पुनः सुनवाई की जाए और सभी पक्षों को सुनने के बाद आगे की कार्रवाई की जाए। न्यायालय के आदेश के बाद अब यह मामला एक बार फिर न्यायिक प्रक्रिया के केंद्र में आ गया है। पुनः सुनवाई के दौरान न्यायालय पुलिस की अंतिम रिपोर्ट, परिवादी की आपत्तियों तथा उपलब्ध साक्ष्यों पर विचार करेगा। इसके बाद ही यह तय होगा कि एफआर को स्वीकार किया जाए या आरोपियों के विरुद्ध आगे की आपराधिक कार्रवाई की जाए। कानूनी जानकारों का मानना है कि जिला एवं सत्र न्यायालय का यह आदेश न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं सभी पक्षों को सुनवाई का समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं, इस फैसले के बाद लंबे समय से विवादों में रहे न्यू लुक सोसायटी स्कूल प्रकरण पर एक बार फिर सभी की नजरें टिक गई हैं।

झालावाड़ जिला अस्पताल में महिला ने एक साथ 4 बच्चों को दिया जन्म

स्मार्ट हलचल

झालावाड़। झालावाड़ जिला अस्पताल के हीरा कुंवर बा महिला चिकित्सालय में एक अद्भुत मामला सामने आया है। स्थानीय शहर निवासी अरुण कश्यप की पत्नी ज्योति कश्यप ने सिजेरियन ऑपरेशन के माध्यम से एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया जिनमें एक बेटा व तीन बेटिया हे। एक साथ चार नवजातों के जन्म की खबर पूरे अस्पताल सहित शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

नवजात बच्चों का समय से पहले जन्म होने से चारों नवजात बच्चों को जानना अस्पताल के शिशु विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम की निगरानी में नवजात गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती किया गया है।

परिवार कल्याण में भीलवाड़ा ने कायम रखी उत्कृष्टता की परंपरा, परिवार कल्याण प्रोत्साहन पुरस्कार में फिर मिला द्वितीय स्थान

विश्व जनसंख्या दिवस पर चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की अध्यक्षता में आयोजित वर्चुअल राज्य स्तरीय समारोह में जिले को मिलेगा सम्मान

जनसंख्या स्थायित्व एवं परिवार कल्याण में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिले की संस्थाओं और ग्राम पंचायतों का जिला स्तर से वर्चुअली होगा सम्मान

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जनसंख्या स्थायित्व एवं परिवार कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए भीलवाड़ा जिले ने एक बार फिर प्रदेश स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। परिवार कल्याण प्रोत्साहन पुरस्कार योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत भीलवाड़ा जिले का राज्य स्तरीय द्वितीय पुरस्कार के लिए चयन किया गया है। जिले को लगातार तीसरी बार यह गौरव प्राप्त हुआ है, जबकि राज्य स्तर पर लगातार दूसरी बार द्वितीय स्थान हासिल कर भीलवाड़ा ने अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली का प्रमाण दिया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) के अवसर पर स्वास्थ्य भवन, जयपुर में माननीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेंद्र सिंह खींवसर की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय वर्चुअल पुरस्कार समारोह में जिले को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह में प्रदेशभर के जिलों, चयनित संस्थाओं एवं प्रतिनिधियों की कलेक्ट्रेट परिसर स्थित वीसी रूम से जिला स्तर से वर्चुअल सहभागिता रहेगी। उन्होंने बताया कि भीलवाड़ा जिले को वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में भी परिवार कल्याण प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। लगातार तीसरी बार चयनित होने के कारण इस वर्ष जिले को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के वीसी रूम से वर्चुअली जुड़कर समारोह के दौरान जनसंख्या स्थायित्व के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं, ग्राम पंचायतों का होगा सम्मान

अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामकेश गुर्जर ने बताया कि इस वर्ष की थीम 'जब बच्चों में सही अंतराल, परिवार बने स्वस्थ और खुशहाल' के अनुरूप विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित वीसी रूम से आयोजित वर्चुअल समारोह के दौरान परिवार कल्याण एवं जनसंख्या स्थायित्व के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं, ग्राम पंचायतों एवं स्वयंसेवी संगठनों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पुरस्कार योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत आसींद पंचायत समिति को जिले की सर्वश्रेष्ठ पंचायत समिति, उप जिला अस्पताल हमीरगढ़, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मौखुन्दा तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बोरडा को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त नेगड़िया, बालेसरिया, चांदजी की खेड़ी, आगूचा, विलेठा, लादुवास, छापरेल, जिंद्रास, लाडपुरा, मौखुन्दा, उमेदपुरा बचखेड़ा एवं गढ़ पाछली आमली ग्राम पंचायतों सहित परिवार कल्याण एवं जनसंख्या स्थायित्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं और अन्य चयनित इकाइयों को भी विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा।

ग्रामीण डाक जीवन बीमा में मिला 5.76 लाख का मृत्यु दावा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भारत सरकार के डाक विभाग की जनहितकारी योजना ग्रामीण डाक जीवन बीमा एक बार फिर जरूरतमंद परिवार के लिए सहारा बनी। योजना के तहत रायला निवासी पॉलिसीधारक हंसा कंवर के आकस्मिक निधन के बाद विभाग ने तत्परता दिखाते हुए मृत्यु दावा निपटाया और नोमिनी सत्यनारायण सिंह को बोनस सहित कुल 5.76 लाख रुपए का चेक सौंपा। भीलवाड़ा मंडल डाक अधीक्षक सुनील कुमार मीणा ने बताया कि ग्रामीण डाक जीवन बीमा योजना आमजन के लिए हर डाकघर में उपलब्ध है, जहां कम प्रीमियम में जीवन सुरक्षा के साथ आकर्षक बोनस का लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि इस योजना में बीमाधारकों को अन्य बीमा योजनाओं की तुलना में बेहतर बोनस मिलता है, जिससे परिजनों को आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित होती है। डाक विभाग द्वारा संचालित ग्रामीण डाक जीवन बीमा योजना विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए बनाई गई है, जिसमें कम प्रीमियम और सरकारी गारंटी के साथ सुरक्षा मिलती है।

इस अवसर पर गुलाबपुरा डाक निरीक्षक संतोष लवानिया, रायला पोस्टमास्टर दिनेश सुथार सहित अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

डीईओ (मुख्यालय) डॉ. जीनगर ने संभाला पदभार, स्टाफ ने किया स्वागत

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शिक्षा विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं उनके समकक्ष अधिकारियों के तबादलों की सूची जारी की जिसमें इस दौरान फेरबदल में जिले के कई अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं। जिसमें डॉ. रामेश्वर प्रसाद जीनगर को सीबीईओ सुवाणा से डीईओ (मुख्यालय) प्रारंभिक, भीलवाड़ा के पद पर तबादला किया गया था। इस पर शुक्रवार दोपहर को डॉ. रामेश्वर प्रसाद

जीनगर ने कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के दौरान स्टाफ द्वारा मेवाड़ी पगड़ी व पुष्पहार से गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

नाले के आभाव में मुख्य सड़क पर भरा बरसाती पानी

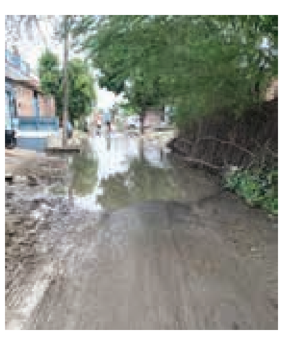

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

निकटवर्ती चाडा का खेड़ा गांव से रायला जाने वाली मुख्य सड़क पर नाला निर्माण नहीं होने से बिच रास्ते पर बरसाती पानी के भरे होने से आमजन के साथ ही राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है। मगर फिर प्रशासन द्वारा इस और ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

हिंदुस्तान जिंक की स्वास्थ्य पहल बनी ग्रामीणों के लिए वरदान, 1100 से अधिक लोगों को मिला लाभ

राजस्थान और उत्तराखंड के पांच क्षेत्रों में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी निःशुल्क जांच, परामर्श व दवाइयां, महिलाओं की भागीदारी रही उल्लेखनीय

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी ने ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड (ममता एचआईएमसी) के सहयोग से राज-स्थान और उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर 1100 से अधिक ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराईं। स्वास्थ्य सेवा पहल के अंतर्गत राजस्थान के आगुचा, चंदेरिया, जावर और दरिबा तथा उत्तराखंड के पंतनगर में आयोजित शिविरों में कुल 1101 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श का लाभ उठाया। इनमें 561

महिलाएं और 540 पुरुष शामिल रहे। शिविरों में ग्रामीणों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श, आवश्यक जांच और दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। शिविरों में गायनेकोलॉजिस्ट, ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ और जनरल फिजीशियन की टीम ने लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया। इस दौरान हीमोग्लोबिन जांच, रक्तचाप मापन, रैंडम ब्लड शुगर स्क्रीनिंग सहित कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जांचें की गईं। जांच के बाद जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया, जिससे उन्हें तत्काल उपचार और बेहतर स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित हो सकी। ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शिविरों तक आने-जाने के लिए डोर-टू-डोर परिवहन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इस पहल का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले ऐसे लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना था, जो परिवहन की कमी के कारण उपचार से वंचित रह जाते हैं। इस व्यव-स्था से अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित हुई। शिविरों के दौरान ग्रामीणों को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, स्वच्छता और समय पर उपचार के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने लोगों को बीमारियों की रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की यह पहल केवल चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रही, बल्कि ग्रामीण और आदिवासी समुदायों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान बनाने का एक प्रभावी मॉडल भी बनकर उभरी है। कंपनी और ममता एचआईएमसी के संयुक्त प्रयासों से स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में आने वाली बाधाएं कम हुई हैं और लोगों को समय पर उपचार प्राप्त करने का अवसर मिला है।

महावीर इंटरनेशनल बिजयनगर-ब्यावर जोन का संवाद कार्यक्रम आयोजित

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। महावीर इंटरनेशनल के 52वें स्थापना दिवस पर चल रहे सेवा पखवाड़े (1-14 जुलाई) के तहत बिजयनगर-ब्यावर जोन का संवाद कार्यक्रम श्री वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय, ब्यावर में आयोजित हुआ। जोन चेयरमैन वीर तेजमल बुरड़, जोन सचिव वीर रूपेश कोठारी, जोन कोषाध्यक्षा वीरा आशा चौरड़िया एवं जोन समन्वयक वीर विजयराज जैन के नेतृत्व में आयोजित बैठक में जोन के सभी आठ केंद्रों के अध्यक्ष, सचिव व पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में सेवा पखवाड़े के दौरान अधिक से अधिक जनसेवा कार्य करने, उनकी समयबद्ध रिपोर्टिंग, केंद्रों की समस्याओं के समाधान, सदस्यता विस्तार, युवाओं व महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने तथा अपेक्स की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा हुई। सभी केंद्रों ने आपसी समन्वय के साथ सेवा पखवाड़े को सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में जोन सचिव वीर रूपेश कोठारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आंगनबाड़ी केंद्र खोलने सहित लंबित समस्याओं के समाधान की मांग, ग्रामीणों ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

सरथला ग्राम पंचायत में विकास कार्य, पीएम आवास, सड़क-नाली, श्मशान भूमि, बिजली व साफ-सफाई सहित कई मांगें उठाई, समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल | सरथला

ग्राम पंचायत सरथला में आयोजित प्रशासनिक सेवा शिविर के दौरान वर्षों से लंबित मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपा। उपाध्यक्ष दुर्गा लाल बैरवा एवं जीएसएस अध्यक्ष राधेश्याम कंजर के नेतृत्व में ग्रामीणों ने शिविर प्रभारी शैतान सिंह मीणा को ज्ञापन देकर विभिन्न विकास कार्यों को शीघ्र पूरा कराने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत क्षेत्र लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा है। कई बार संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को अवगत कराने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हो सका है।

ज्ञापन में मधुपुरिया एवं लक्ष्मणगढ़ में आंगनबाड़ी केंद्र खोलने, सुई गांव में आंगनबाड़ी भवन निर्माण, वार्ड संख्या 8 (एससी मोहल्ला) में अधूरी सड़क व नाली का निर्माण पूरा करने, पात्र

परिवारों को आवासीय पट्टे जारी करने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति एवं लंबित किस्तों का भुगतान करने की मांग की गई।

इसके अलावा पूरे ग्राम पंचायत क्षेत्र में नियमित साफ-सफाई, वार्ड संख्या 4 (राजपुरा) स्थित श्मशान घाट के लिए छह वर्षों से लंबित भूमि आवंटन प्रक्रिया पूरी करने, गुर्जर मोहल्ले में एमडीआर सड़क निर्माण के बाद नालियों का निर्माण कराने तथा राजपूत मोहल्ले में पेड़ों पर लटक रही विद्युत सर्विस लाइन को सुरक्षित करते हुए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की भी मांग उठाई गई।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जनहित से जुड़ी इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीण लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इस अवसर पर भीम आर्मी भारत एकता मिशन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सीताराम गुर्जर, रतन गुर्जर, विक्रम सिंह, कालू सिंह, लक्ष्मण गुर्जर, भागुता बैरवा, राजू बैरवा, कालू बैरवा, श्रीकिशन बैरवा, लाडूलाल बैरवा, सत्यनारायण गुर्जर, फोरू गुर्जर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

लाडपुरा में एक चलते कंटेनर के केबिन में लगी आग

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कोटा-चित्तौड़ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-27 पर स्थित लाडपुरा चौराहे के पास शुक्रवार सुबह करीब 11बजे एक चलते कंटेनर के केबिन में आग लग गई। सूचना पर मौके पर मांडलगढ़ नगर पालिका की दमकल पहुंचीं, और आग पर काबू पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही लाडपुरा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। जानकारी के अनुसार, कंटेनर चित्तौड़ की तरफ से लाडपुरा की तरफ आ रहा था। इस दौरान गाड़ी वायरिंग के स्पार्किंग से यह आग लगी। घटना के बाद राजमार्ग पर यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित रहा। गनीमत यह रही कि इस समय कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई।

धौलाई वाले बाबा के उर्स में बुजुर्गों की शान में पढ़े कलाम

क़ाछोला हजरत निजामुद्दीन निजामी के उर्स पर पहुंचे जायरीन,चादर शरीफ व अकीदत के फूल किये पेश

स्मार्ट हलचल | क़ाछोला

कस्बे में हजरत निजामुद्दीन निजामी धौलाई वाले बाबा की दरगाह पर के उर्स मुबारक मौके पर चादर शरीफ का जलसा बड़े शानो शौकत के साथ शुरू हुआ। बाई पास स्तिथ मदरसा में बेंगू से आये कव्वाल अनवर भाई ने हुजूर की शान में, अली हुसैन की शान में, ख्वाजा की शान में, धौलाई वाले बाबा की शान कलाम पेश कर चादर पढ़ी।वही जय हिंद बेंड के अनवर भाई अकील भाई ने ये तो ख्वाजा का करम है, हक हुसैन मोला हुसैन, हक सैलानी या सैलानी, अलमदार अलमदार हमारा, दूल्हा बना है ख्वाजा, मेरे पीर के चेहरे पे सरकार नजर आते है सहित सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा, जहाँ डाल डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा वो भारत देश है मेरा, सत्यम शिवम सुंदरम, मेरे भारत जैसा कोई देश नही, हर करम अपना करेंगे ए वतन तेरे लिए, देश भक्ति गीतों में जायरीन झूम उठे। इससे पूर्व पेश इमाम मौलाना मोहम्मद शाह आलम ने जलसा के साथ उर्स मुबारक

जिंदाबाद व नारा ए तकबीर के साथ मौलाना मोहम्मद शाह आलम व दरगाह व उर्स कमेटी सदर हाजी शरीफ मोहम्मद मंसूरी के सानिध्य में चादर शरीफ पेश कि और अपने घर परिवार समाज देश प्रदेश के अमन, चैन, खुशहाली की दुआ की।

चादर शरीफ के जलसे के दौरान, एएसआई इंद्राज मीणा, विधायक प्रतिनिधि संदीप सोनी, वंश प्रदीप सिंह सोलंकी, पूर्व उपसरपंच रमेश चन्द्र बसेर, पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष भैरु लाल मंत्री, गौ शाला सचिव डॉ एन के सोनी, राजेंद्र सिंह सोलंकी, कैलाश धाकड़, आम मुस्लिम सदर व उर्स कमेटी सदर हाजी शरीफ मोहम्मद मंसूरी, हाजी मोहम्मद हासम लुहार, हाजी मोहम्मद शाबिर रँगरेज, हाजी बाबू मेवाती, मोहम्मद यूनुस रँगरेज, कमालुद्दीन रँगरेज, हाजी रमजान अली बिसायती, हाजी अब्दुल सत्तार बागवान, रफ़ीक़ मंसुरी, मुबारिक हुसैन मंसूरी, उस्मान गनी रंगरेज, बाबू शाह, पीर मोहम्मद मंसूरी, मोहम्मद इक़बाल रँगरेज, अब्बास अली, सद्दीक रँगरेज, मुबारिक रँगरेज, पीर मोहम्मद मंसुरी, हकीम बागवान, अनवर हुसैन, इखलास मंसूरी, सत्तार बिसायती, फैज मोहम्मद बागवान, अब्दुल गफ्फार अब्बासी, फिरोज मोहम्मद बागवान, इमरान बागवान, सलीम मंसुरी सहित आदि उपस्तिथ थे।उर्स के दौरान कोटा, जयपुर, भीलवाड़ा, रावतभाटा, भीलवाड़ा, शाहपुरा, जहाजपुर, माण्डलगढ़, बेंगू, चित्तौड़गढ़, बीगोद, अमरगढ़, भिश्ती की झुपड़िया, सरथला, धामनिया, खजुरी सहित आदि से जायरीन पहुंचे।

भीलवाड़ा में 12 जुलाई को राजस्थान प्रांतीय तैलीक साहू महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक, राष्ट्रीय आयोजन की रूपरेखा पर होगी चर्चा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजस्थान प्रांतीय तैलीक साहू महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी, समाज के प्रमुख जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्धजनों की महत्वपूर्ण बैठक 12 जुलाई (रविवार) को प्रातः 11रू15 बजे हरि शेवाधाम, भीलवाड़ा में आयोजित होगी। बैठक में प्रदेशभर से महासभा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी, सभी प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्ष, संभागीय अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, महिला एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारी, संरक्षक, आमंत्रित सदस्य तथा समाज के गणमान्य नागरिक भाग लेंगे।

महासभा के प्रदेश अध्यक्ष देवी लाल साहू के निर्देशानुसार आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य भीलवाड़ा में प्रस्तावित दो दिवसीय अखिल

भारतीय तैलिक साहू महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक एवं राष्ट्रीय जनचेतना महासम्मेलन की व्यापक रूपरेखा तैयार करना है।

कार्यक्रम संयोजक एवं महासभा के प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रहलाद दिया ने बताया कि भीलवाड़ा में प्रस्तावित इस राष्ट्रीय आयोजन में देशभर एवं प्रदेश से समाज के जनप्रतिनिधियों सहित लगभग 20 हजार समाजजनों की सहभागिता का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मेजबानी, आयोजन समिति के गठन, विभिन्न व्यवस्थाओं, समाज की सहभागिता तथा कार्यक्रम को भव्य एवं ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही सामाजिक जागृति को गति देने, संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा समाजहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर भी निर्णय लिए जाएंगे।

बैठक के एजेंडे में वर्ष 2025-26 के दौरान चयनित प्रतिभावान छात्र-छात्राओं एवं विभिन्न सेवाओं में चयनित अधिकारी-कर्मचारियों के सम्मान, जयपुर एवं भीलवाड़ा में समाज के विद्यार्थियों के लिए नवीन छात्रावास निर्माण हेतु राज्य सरकार से रियायती दर पर भूमि आवंटन की मांग, आगामी नगर निकाय एवं पंचायती राज चुनावों में समाज की अधिकतम राजनीतिक भागीदारी तथा तेल-घाणी बोर्ड के गठन के लिए राज्य सरकार को सामूहिक मांग पत्र भेजने जैसे महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी चर्चा की जाएगी। इसके अतिरिक्त संगठन के प्रदेश स्तरीय कार्यक्रमों में स्वागत परंपरा को सरल एवं एकरूप बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय कार्यक्रमों को छोड़कर साफे के स्थान पर केवल ओढ़ना (ओपरना) से स्वागत करने के प्रस्ताव पर भी विचार होगा। पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों का अनुमोदन किया जाएगा तथा अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर भी चर्चा की जाएगी।

महासभा ने प्रदेश के सभी पदाधिकारियों, महिला एवं युवा मोर्चा, विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों एवं समाज के प्रबुद्धजनों से बैठक में उपस्थित होकर समाज के इस महत्वपूर्ण आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया है। महासभा का विश्वास है कि सभी के सामूहिक सहयोग, सुझाव एवं सहभागिता से भीलवाड़ा में प्रस्तावित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक एवं जनचेतना महासम्मेलन समाज के इतिहास में एक नई पहचान स्थापित करेगा।

श्रीगंगानगर की घटना पर फूटा वैश्य महिला संगठन का आक्रोश, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर दोषियों को कड़ी एवं उदाहरणात्मक सजा देने की मांग

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्रीगंगानगर में एक बालिका के साथ हुई जघन्य घटना के विरोध में अंतरराष्ट्रीय वैश्य महिला संगठन ने गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए शुक्रवार को महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने मामले की त्वरित सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कर दोषियों को कड़ी से कड़ी एवं उदाहरणात्मक सजा दिलाने की मांग की, ताकि भविष्य में इस प्रकार के अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। प्रदेश मंत्री प्रतिभा मानसिंहका, जिलाध्यक्ष लीला राठी एवं जिला मंत्री सुमन अग्रवाल ने संयुक्त रूप से अत्यंत भावुक और आक्रामक लहजे में कहा कि श्री गंगानगर की घटना ने पूरी मानवता को झकझोर कर रख दिया है। आज हमारी बेटियां अपने

ही घर-आंगन में सुरक्षित नहीं हैं, जो बेहद चिंताजनक और शर्मनाक है। एक सभ्य समाज में ऐसी क्रूरता के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। हम महामहिम राष्ट्रपति जी से गुहार लगाते हैं कि इस मामले की त्वरित सुनवाई (फास्ट ट्रैक कोर्ट) कर दोषियों को ऐसी सख्त और ऐतिहासिक सजा दी जाए, जिससे भविष्य में कोई भी ऐसा घिनौना कृत्य करने की हिम्मत न कर सके। जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल जाता, हमारा संगठन चुप नहीं बैठेगा और बेटियों की सुरक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन की अनेक पदाधिकारी और महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं, जिन्होंने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के नारे लगाए। इस मौके पर कोषाध्यक्ष सुलोचना गर्ग, जतन हिंगड़, शशि अजमेरा, स्नेहलता पटवारी, कल्पना माहेश्वरी, शशि सिंगल, सुमन सराफ, निशा सोनी, बिना अग्रवाल, प्रेमलता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, सीमा लोढ़ा मौजूद रहे।

जनसंख्या स्थिरता में बूंदी का दमदार प्रदर्शन प्रदेश में प्राप्त किया 10 वां स्थान, तालेड़ा बना नंबर 1 आशान्वित ब्लॉक

कलेक्टर हरफूल सिंह यादव के नेतृत्व और सीएमएचओ डॉ. ओ पी सामर की मॉनिटरिंग में मिली ऐतिहासिक सफलता, 11 जुलाई को राज्य स्तर पर होगा सम्मान

स्मार्ट हलचल | बूंदी

जनसंख्या स्थिरता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए बूंदी जिले ने राज्य स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं निदेशालय, राजस्थान द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए घोषित प्रोत्साहन पुरस्कारों में बूंदी जिले ने पूरे प्रदेश में 10वां स्थान प्राप्त कर जिले का नाम गौरवान्वित किया है।

इस सफलता में जिला कलेक्टर श्री हरफूल सिंह यादव के कुशल मार्गदर्शन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ पी सामर की प्रभावी मॉनिटरिंग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिसके चलते जिले ने जनसंख्या स्थिरता के मानकों पर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

विशेष रूप से तालेड़ा ब्लॉक ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर 'आशान्वित ब्लॉक' का खिताब हासिल किया है, वहीं ठीकरीया कलां ग्राम पंचायत (पंचायत समिति तालेड़ा) ने राज्य स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले को नई पहचान दिलाई है। निदेशालय द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 11 जुलाई को 'विश्व जनसंख्या दिवस' के अवसर पर 'जब बच्चों में सही अंतराल, परिवार बने स्वस्थ और खुशहाल' थीम के साथ राज्य स्तरीय वर्चुअल समारोह आयोजित किया

जाएगा। इस समारोह में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री द्वारा चयनित जिलों एवं संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र एवं प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया जाएगा।

सम्मानित होने वाली प्रमुख उपलब्धियां:

जिला बूंदी - राज्य स्तर पर 10वां स्थान (प्रशस्ति पत्र)

आशान्वित ब्लॉक तालेड़ा - प्रथम स्थान (2 लाख एवं प्रशस्ति पत्र), ग्राम पंचायत ठीकरीया कलां - तृतीय स्थान (3 लाख एवं प्रशस्ति पत्र), पीएचसी लक्ष्मीपुरा सहित जावटीकलां, जैतपुरा, चतरगंज एवं सुमण्डी ग्राम पंचायतें - जिला स्तरीय सम्मान सूची में शामिल इस गौरवमयी उपलब्धि पर जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे टीमवर्क और मजबूत जमीनी कार्यप्रणाली का परिणाम बताया है। कलेक्टर हरफूल सिंह यादव ने जिलेवासियों एवं स्वास्थ्य विभाग के समस्त ग्राउंड स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। वहीं सीएमएचओ डॉ. सामर ने इस सफलता का श्रेय चिकित्सा विभाग की पूरी टीम को देते हुए बताया कि सुदृढ़ मॉनिटरिंग, प्रभावी क्रियान्वयन और सटीक सांख्यिकी मूल्यांकन के चलते यह परिणाम संभव हो पाया है।

इस उपलब्धि में एडिशनल सीएमएचओ डॉ. कमलेश शर्मा, जिला सांख्यिकी अधिकारी सत्यवान शर्मा, विश्वेन्द्र सिंह टिंकर, सहायक सांख्यिकी अधिकारी, सुनीत शर्मा नर्सिंग स्टाफ, एएनएम, सीएचओ एवं सभी ब्लॉक स्तर के कार्मिकों का विशेष योगदान रहा है।

जिला स्तर पर भी होगा भव्य आयोजन

11 जुलाई को जिला कलेक्टर परिसर स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष से सभी संबंधित अधिकारी वर्चुअल समारोह से जुड़ेंगे। साथ ही जिला स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित कर उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं एवं कार्मिकों को सम्मानित किया जाएगा।

आंगनबाड़ी कर्मचारीयों ने मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर के नाम दिया ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

आंगनबाड़ी कर्मचारीयों ने मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन दिया । आंगनबाड़ी कर्मचारीयों ने बताया कि आंगनबाड़ी कर्मचारी को स्थाई किया जाए, आंगनबाड़ी कर्मियों का मानदेय बढ़ाकर राशि 26 हजार की जाए। आंगनबाड़ी कर्मियों का रिटायरमेंट होने पर उन्हें राशि 1 लाख रुपए एक मुश्त दिलावें तथा हर माह 10 हजार रुपए पेंशन दी जाए। जो भुगतान दिया जाता है वह केंद्र सरकार वह राजस्थान सरकार दो भागों में ना देकर एक ही विभाग में दिया जाए ताकि मानदेय समय पर जमा हो सके । अगर यह मांगे सरकार पूरी नहीं करती है तो समस्त आंगनबाड़ी कर्मचारी केंद्र का बहिष्कार करेंगे।

वैशाली नगर ब्लॉक महिला कांग्रेस की अध्यक्ष बनीं मीना कुमावत

स्मार्ट हलचल | जयपुर

कांग्रेस की सक्रिय युवा कार्यकर्ता मीना कुमावत को राज-स्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की ओर से वैशाली नगर ब्लॉक महिला कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष सारिका सिंह द्वारा जयपुर जिला पश्चिम महिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पा मेघवाल की अनुशंसा पर की गई है।

नियुक्ति पर मीना कुमावत ने प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष सारिका सिंह, जयपुर जिला पश्चिम महिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पा मेघवाल, झोटवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे अभिषेक चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष मांगीलाल बुनकर सहित कांग्रेस के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

मीना कुमावत ने कहा कि संगठन ने उन पर जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन वे पूरी ईमानदारी, निष्ठा एवं समर्पण के साथ करेंगी। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना, अधिक से अधिक महिलाओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ना तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाना रहेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में सक्रियता से कार्य किया जाएगा।

8 साल से तबादले बंद, तृतीय श्रेणी शिक्षकों का फूटा गुस्सा

पदोन्नति, पे-प्रोटेक्शन और टेट अनिवार्यता के आदेश वापस लेने की मांग, कहा- वरिष्ठता छोड़ने को भी तैयार हैं शिक्षक

स्मार्ट हलचल | सुनेल

राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के बैनर तले पिड़ावा उपखंड क्षेत्र के तृतीय श्रेणी अध्यापकों ने शुक्रवार को अपनी लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों ने वर्ष 2018 से तृतीय श्रेणी अध्यापकों के तबादले बंद होने पर नाराजगी जताते हुए शीघ्र तबादला नीति लागू करने की मांग की। शिक्षक नेता महेश सैनी ने कहा कि प्रदेश के लगभग सभी विभागों के कर्मचारियों के तबादले हो रहे हैं, लेकिन तृतीय श्रेणी अध्यापक पिछले आठ वर्षों से तबादलों से वंचित हैं। इससे हजारों शिक्षक पारिवारिक और सामाजिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं। न्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री का

यह तर्क कि तृतीय श्रेणी अध्यापकों के तबादले से उनकी वरिष्ठता समाप्त हो जाती है, पूरी तरह उचित नहीं है। हाल ही में द्वितीय श्रेणी अध्यापकों के भी मंडल से बाहर तबादले किए गए हैं, जहां वरिष्ठता समाप्त होने का प्रावधान लागू होता है। ऐसे में समान नियमों के तहत तृतीय श्रेणी अध्यापकों के तबादले भी किए जाने चाहिए। सैनी ने कहा कि यदि वरिष्ठता विलोपन ही बाधा है तो प्रदेश के तृतीय श्रेणी अध्यापक अपनी वरिष्ठता छोड़ने और इसके लिए शपथ पत्र देने तक को तैयार हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि लंबे समय से लंबित तबादलों को तत्काल खोला जाए। ज्ञापन में पिछले छह वर्षों से लंबित पदोन्नतियां शीघ्र करने, पे-प्रोटेक्शन से जुड़े विवादों का समाधान करने तथा टेट अनिवार्यता के नाम पर शिक्षकों को प्रताड़ित करने वाले आदेशों को वापस लेने की भी मांग की गई।

ज्ञापन कार्यक्रम में संगठन के उपशाखा अध्यक्ष हजारीलाल दांगी, सभा अध्यक्ष तूफान सिंह, पूर्व अध्यक्ष मेहरबान सिंह, शिक्षक नेता मदन दिलावर, रतिराम भाटी, जुगल किशोर शर्मा, रामजीलाल कुमावत, सुनील सैनी, सुरेश दूत, इंद्रसेन भांम्बू, रामविलास शर्मा, भागचंद जाट, धर्मपाल जाट, विक्रम सिंह, बीरम जाट, प्रहलाद मीणा, सुखविंदर सिंह, पूरणमल बैरवा, प्रेमशंकर, सुरेश दांगी, कपिल देव, गोविंद सिंह, प्रमोद नेहरा, अनिल जाट सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेशभर में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सांगोद में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता प्रकोष्ठ कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान समारोह आयोजित

स्मार्ट हलचल

सांगोद। सांगोद ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सांगोद द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता प्रकोष्ठ कांग्रेस राजस्थान के नवनियुक्त कोटा देहात जिला एवं प्रदेश पदाधिकारियों के सम्मान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी भोजराज गुर्जर ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता प्रकोष्ठ कांग्रेस राजस्थान द्वारा पूर्व पंचायत समिति उपप्रधान गजराज सिंह हाड़ा को कोटा देहात जिला अध्यक्ष, भुवनेश तिवारी को प्रदेश उपाध्यक्ष, घनश्याम नागर को प्रदेश महासचिव, दौलतराम गुर्जर को प्रदेश सचिव तथा लाडपुरा के पूर्व प्रधान राजेन्द्र मेघवाल को प्रदेश सचिव नियुक्त किए जाने पर सांगोद में उनका सम्मान किया गया।

इस अवसर पर देहात जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा कि सामाजिक न्याय, समान अवसर और संविधान की मूल भावना को मजबूत करने के लिए कांग्रेस सदैव प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने कहा कि नवमनोनीत पदाधिकारी संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाते हुए समाज के वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों की आवाज़ को मजबूती प्रदान करेंगे तथा संगठन को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाएंगे।

पंचायत समिति सांगोद के पूर्व प्रधान ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि संगठन द्वारा योग्य एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपना कांग्रेस की कार्यकर्ता-आधारित परंपरा का परिचायक है। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सांगोद के अध्यक्ष मिर्ज़ा शकील अहमद ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल व्यक्तियों का नहीं, बल्कि कांग्रेस की विचारधारा, सामाजिक न्याय और संगठन के प्रति समर्पित प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी पदाधिकारी संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आमजन के अधिकारों की लड़ाई को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

समारोह में मुख्य रूप से सांगोद मंडल अध्यक्ष ऋषिराज मीणा, कुंदनपुर मंडल अध्यक्ष देवलाल गुर्जर, कमोलर मंडल अध्यक्ष विशाल तिवारी, अफ़सार प्रधान, युवक कांग्रेस के प्रदेश समन्वयक आशीष गोचर, राजेंद्र गहलोत, रामू काका, जगदीश मीणा, अंकुश शर्मा, मोहम्मद इब्राहीम, वसीम जलाल, बनवारी लाल मीणा, जगदीश नागर, तिरलोक मीणा, सी.पी. नागर, मुसव्वीर खान, दिनेश सुमन, निरंजन जैन, दिनेश सोनी, शहजाद ख़ान, नंदगोपाल गोचर, रहमान अंसारी, चन्द्रशेखर चौधरी, बालचंद मेघवाल, राधेश्याम मीणा , सलीम अंसारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

औदीच्य ब्राह्मण समाज के मांगलिक भवन की बुकिंग और नियमों को लेकर उदयपुर में महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

औदीच्य ब्राह्मण समाज सेवा समिति, उदयपुर के नवनिर्मित मांगलिक भवन को स्व-समाज एवं अन्य समाजों के मांगलिक कार्यो हेतु उपलब्ध कराने के संबंध में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। प्रवक्ता प्रेम औदीच्य ने बताया कि बैठक में भवन के लोकार्पण के बाद बुकिंग प्रक्रिया शुरू करने और इससे जुड़े नियमों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष मोहन लाल औदिच्य ने की। उन्होंने ने बताया कि लोकार्पण समारोह के पश्चात भवन को मांगलिक कार्यो के लिए आमजन हेतु खोल दिया जाएगा। इसके सुचारू संचालन के लिए बुकिंग राशि और आवश्यक नियमों को तय करने हेतु सभी सदस्यों से सुझाव लिए गए हैं।

इस महत्वपूर्ण बैठक में समाज के वयोवृद्ध वरिष्ठ नागरिकों, प्रबुद्ध जनों और युवा शक्ति ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सभी उपस्थत सदस्यों ने भवन संचालन से जुड़ी विभिन्न संभावित स्थितियों पर अपने विचार रखे। समिति सदस्यों द्वारा इन सुझावों के आधार पर तैयार नियमों को आगामी बैठक में अंतिम स्वीकृति के लिए सबके सामने रखा जाएगा। कार्यक्रम का सफल संचालन समिति के प्रवक्ता प्रेम औदीच्य ने किया।

ग्राम पंचायत गांगलास द्वारा विद्यालय में टेबल टेनिस की टेबल भेंट

स्मार्ट हलचल | मोड़ का निंबाहेड़ा

शुक्रवार को ग्राम पंचायत गांगलास द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गांगलास में टेबल टेनिस खेल की टेबल भेंट की गई।

प्रधानाचार्य अशोक कुमार सुहिल ने बताया कि गांगलास विद्यालय की छात्राएं पिछले सत्र में 17 वर्ष व 19 वर्ष आयु वर्ग में जिला स्तर पर विजेता रही थी लेकिन विद्यालय में टेबल नहीं होने के कारण अभ्यास के लिए उन्हें दूसरे विद्यालय में जाना पड़ता था. इस समस्या के समाधान लिए प्रधानाचार्य अशोक कुमार सुहिल ने गांगलास ग्राम पंचायत के प्रशासक रामनिवास कुमावत व ग्राम विकास अधिकारी नेमीचंद शर्मा से सहयोग की अपील की. इस पर पंचायत प्रशासक रामनिवास कुमावत और ग्राम सचिव नेमीचंद शर्मा ने छात्राओं की सफलता को देखते हुये तत्काल टेबल मंगवाकर विद्यालय को भेंट की जिसका आज ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान उद्घाटन किया गया. उद्घाटन के दौरान प्रधानाचार्य अशोक कुमार सुहिल, पंचायत प्रशासक रामनिवास कुमावत, सचिव नेमीचंद शर्मा, कनिष्ट सहायक चंद्र प्रकाश टेलर, गोपाल लाल नेखाड़ी, रामस्वरूप जी कम्पउंडर, मीना, सीमा भाम्भी, महावीर जाट, प्रकाश चद्र कुमावत, रघुवीर सिंह, राजेश मीणा, गोपाल लाल जोशी, कैलाश चंद खटीक, छोटू खान पीनारा, भेरू लाल रेगर, सोहन लाल बलाई, गोपी लाल रेगर, रविशंकर शर्मा, जगदीश माणम्या, चन्दरशेखर एवम अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

कुन्दन सिंह को 30 वर्षों से लंबित आवासीय पट्टे का लाभ मिला

ग्रामीण सेवा शिविर में आमजन को मिली राहत, विभिन्न विभागों ने योजनाओं का पहुंचाया लाभ

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत माझावास, तहसील सहाड़ा में ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन विधायक लादूलाल पितलिया के मुख्य आतिथ्य तथा उपखण्ड अधिकारी विवेक गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा मौके पर ही आमजन की समस्याओं का समाधान करते हुए राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

शिविर के दौरान कृषि विभाग द्वारा किसानों को मूंग मिनी किट का वितरण किया गया। पंचायती राज विभाग द्वारा पात्र लाभार्थियों को आवासीय पट्टों का वितरण किया गया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी रोगियों को निक्षय पोषण किट प्रदान की गई। महिला एवं बाल

विकास विभाग द्वारा अन्नप्राशन, गोद भराई एवं जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को मंगला पशु बीमा पॉलिसी वितरित कर पशुधन सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। शिविर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा पात्र लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया गया।

शिविर की सबसे प्रेरणादायक उपलब्धियों में ग्राम गुमानसिंह खेड़ा निवासी कुन्दन सिंह को लगभग 30 वर्षों से लंबित आवासीय पट्टे का लाभ मिलना रहा। शिविर में आवेदन प्रस्तुत करने पर विभागीय अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर ही उनका आवासीय पट्टा स्वीकृत किया। कुन्दन सिंह सहित कुल चार लाभार्थियों को आवासीय पट्टे वितरित किए। पट्टा प्राप्त होने पर लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री, राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए ग्रामीण सेवा शिविर की सराहना की।

इसी प्रकार ग्राम माझावास की देऊ को शिविर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के माध्यम से एकल नारी पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया गया। विभाग द्वारा आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर ही पेंशन स्वीकृत की गई तथा लाभार्थी को पेंशन कार्ड प्रदान किया गया। पेंशन स्वीकृत होने पर देऊ ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री, राज्य सरकार एवं प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

'एक शिक्षक-एक पेड़' अभियान का भव्य शुभारंभ, संरक्षण का लिया संकल्प

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर खण्ड कोटड़ी में पौधरोपण, शिक्षकों ने लिया हरित भविष्य का संकल्प

स्मार्ट हलचल

कोटड़ी। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राज-स्थान (विद्यालय शिक्षा) खण्ड कोटड़ी के तत्वावधान में 'एक शिक्षक-एक पेड़' अभियान का भव्य शुभारंभ शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आसोप में उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारियों, महासंघ के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहभागिता निभाते हुए पौधरोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी

एवं प्रांत संगठन मंत्री कैलाश सुथार ने कहा कि महासंघ का यह अभियान केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं है बल्कि पौधों के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जनजागरण का अभियान है। उन्होंने शिक्षकों से अधिकाधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। वहीं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पारीक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और शिक्षक इस दिशा में समाज का नेतृत्व कर सकते हैं।अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुभाष अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक शिक्षक द्वारा लगाया गया पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर बनेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पौधरोपण के साथ हुआ। इस अवसर पर संभाग संगठन मंत्री महेश शर्मा, जिला मंत्री संजीव शर्मा, जिला प्रवासी कार्यकर्ता महेश शर्मा, आरपी अनिल बांगड़, प्रहलाद त्रिपाठी, खण्ड अध्यक्ष दुर्गा शंकर शर्मा, खण्ड शाहपुरा के अध्यक्ष अमर सिंह, प्रवक्ता हनुमान प्रसाद एवं जिला उपसभा अध्यक्ष शान्ति लाल पोखरना,पीईईओ फारूक मोहम्मद डायर, महिला मन्त्री सावित्री नामा ने संगठन की गतिविधियों और प्रकाश डालते हुए सभी शिक्षको को 'एक शिक्षक-एक पेड़' अभियान के तहत एक-एक पौधा लगाने एवं उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का संकल्प लेने को कहा। विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में महासंघ के खण्ड मंत्री पुष्पेन्द्र कुमार काबरा, पीईईओ फारूक मोहम्मद डायर ने सभी अतिथियों, अधिकारियों, पदाधिकारियों एवं शिक्षक साथियों का आभार व्यक्त करते हुए अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही।

नई राह, नई रणनीतिः बबलू सिंह ठुमिया ने 12 को बुलाई सर्व समाज की बड़ी बैठक, कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगी चर्चा

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। सामाजिक कार्यकर्ता बबलू सिंह ठुमिया के आह्वान पर 12 जुलाई (रविवार) सुबह 10 बजे अजमेर-चित्तौड़गढ़ हाईवे स्थित भीलवाड़ा बाईपास के हाथी भाटा आश्रम में समाजजन एवं सर्व समाज के समर्थकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होगी। बैठक में सामाजिक मुद्दों, समाजहित से जुड़े विषयों और भविष्य की दिशा पर व्यापक चर्चा की जाएगी।

ठुमिया ने बताया कि उन्होंने श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना में पदाधिकारी रहते हुए राजपूत समाज के साथ-साथ सर्व समाज के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर लगातार आवाज उठाई और जनहित के कार्य किए।

उनका कहना है कि सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया गया, जिससे सामाजिक जागरूकता का वातावरण बना।

उन्होंने कहा कि कुछ वैचारिक मतभेदों के चलते उन्हें संगठन से अलग होना पड़ा। वर्तमान परि-स्थतियों और आगे की सामाजिक रणनीति को लेकर समाज के प्रबुद्धजनों, समाजसेवियों, युवाओं तथा सर्व समाज के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श करने के उद्देश्य से यह बैठक बुलाई गई है। बबलू सिंह ठुमिया ने समाज के सभी वर्गों, युवाओं, समाजसेवियों एवं समर्थकों से समय पर हाथी भाटा आश्रम पहुंचकर बैठक में भाग लेने और समाजहित में अपने सुझाव व विचार रखने की अपील की है। बैठक को आगामी सामाजिक गतिविधियों की दिशा तय करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

स्वामी विवेकानंद जी की क्षतिग्रस्त प्रतिमा के स्थान पर नई एवं भव्य प्रतिमा स्थापित करने की अभाविप की प्रखर मांग

कांग्रेस पोषित एनएसयूआई द्वारा महाविद्यालय परिसर में अराजकता फैलाकर वातावरण विषाक्त करने का प्रयास निंदनीय एवं दुर्भाग्यपूर्णः अभाविप

स्मार्ट हलचल| कोटा

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) द्वारा राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय, कोटा में स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर परिसर स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिमा के अत्यधिक जर्जर एवं जीर्ण-शीर्ण होने के कारण वह अचानक क्षतिग्रस्त हो गई, जिसपर उपस्थित विद्यार्थियों एवं कार्यकर्ताओं ने गहरी पीड़ा व्यक्त की। अभाविप स्वामी विवेकानंद जी को युवाओं का प्रेरणास्त्रोत मानती हैं तथा अभाविप उनके विचारों के आलोक में राष्ट्र पुनर्निर्माण के ध्येय को लेकर पिछ्ले सात दशकों से भी अधिक समय से राष्ट्र तथा विद्यार्थी हित में कार्यरत है। ऐसे में कांग्रेस पोषित एनएसयूआई द्वारा ऐसे संवेदनशील विषय को राजनैतिक स्वरूप देना व परिसर में अराजकता फैलाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और उनकी कुत्सित तथा संकीर्ण मानसिकता को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि यह प्रतिमा अभाविप के ही पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रहे विशाल जोशी के कार्यकाल में स्थापित करवाई गई थी और वर्षों से विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का केंद्र रही है। अभाविप ने पूर्व में भी महाविद्यालय प्रशासन को प्रतिमा की जर्जर स्थिति से अवगत कराते हुए उसके जीर्णोद्धार एवं संरक्षण की मांग की थी। घटना के तुरंत बाद अभाविप के कार्यकर्ताओं ने महाविद्यालय की प्राचार्य से भेंट कर क्षतिग्रस्त प्रतिमा के स्थान पर शीघ्र नई एवं भव्य प्रतिमा स्थापित करने की मांग की। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा भी अपने वक्तव्य में स्पष्ट किया गया है कि प्रतिमा पूर्व से ही अत्यंत जर्जर अवस्था में थी, जिसके कारण यह घटना हुई। अभाविप का स्पष्ट मत है कि विद्यार्थियों की आस्था एवं प्रेरणा के इस केंद्र को यथाशीघ्र उसके अनुरूप गरिमा के साथ पुनर्स्थापित किया जाना चाहिए। इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अभाविप सभी मीडिया संस्थानों से विनम्र आग्रह करती है कि कुत्सित मानसिकता से प्रेरित तथ्यहीन एवं भ्रामक सूचनाओं से

बचते हुए इस विषय पर महाविद्यालय प्रशासन के आधिकारिक पक्ष तथा घटना के समय उपस्थित विद्यार्थियों के तथ्यात्मक विवरण का समुचित संज्ञान लें, जिससे कि ऐसे संवेदनशील विषय पर पूर्ण जानकारी, निष्पक्ष व तथ्यपरक समाचार समाज तक पहुंच सके।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत मंत्री जितेन्द्र लोधा ने कहा कि, 'कांग्रेस पोषित छात्र संगठन एनएसयूआई द्वारा असत्य, भ्रामक एवं तथ्यहीन आरोपों के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। महाविद्यालय प्रशासन स्वयं अपने आधिकारिक वक्तव्य में स्पष्ट कर चुका है कि प्रतिमा पूर्व से ही अत्यंत जर्जर अवस्था में थी। इसके बावजूद सत्य को छिपाकर अभाविप एवं उसके कार्यकर्ताओं की छवि धूमिल करने का सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है।कल भी महिला कांग्रेस के जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में बाहरी तत्वों द्वारा महाविद्यालय परिसर में अराजकता का वातावरण निर्मित करने का प्रयास किया गया। शिक्षण संस्थानों की शैक्षणिक गरिमा एवं शांतिपूर्ण वातावरण को इस प्रकार प्रभावित करना लोकतांत्रिक मूल्यों तथा छात्रहितों के सर्वथा विपरीत है। अभाविप ने इस पूरे घटनाक्रम की शिकायत संबंधित सक्षम अधिकारियों से करते हुए दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर एवं निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। जो लोग महाविद्यालय परिसर की शांति, सौहार्द एवं शैक्षणिक वातावरण को दूषित करने का प्रयास कर रहे हैं, उनके विरुद्ध कानून के अनुरूप सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। अभाविप स्पष्ट करती है कि स्वामी विवेकानंद जी के सम्मान, विद्यार्थी हितों एवं परिसर की गरिमा से जुड़े किसी भी विषय पर किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। क्षतिग्रस्त प्रतिमा के स्थान पर शीघ्र नई एवं भव्य प्रतिमा की स्थापना तथा परिसर में अराजकता फैलाने वाले दोषी तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई होने तक अभाविप इस विषय को पूरी दृढ़ता एवं प्रतिबद्धता के साथ उठाती रहेगी।'

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, कोटा महानगर की महानगर मंत्री दीप्ति मेवाड़ा ने कहा कि, 'आज महाविद्यालय परिसर में कांग्रेस पोषित छात्र संगठन एनएसयूआई द्वारा बाहरी तत्वों को बुलाकर शैक्षणिक वातावरण को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों के साथ अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज एवं धक्का-मुक्की की गई, जिसमें एक विद्यार्थी घायल भी हुआ। यह घटना अत्यंत निंदनीय है और परिसर की शैक्षणिक गरिमा के प्रतिकूल है। एनएसयूआई इस पूरे प्रकरण को राजनीतिक रंग देकर विद्यार्थियों को भ्रमित करने का असफल प्रयास कर रही है। यदि एनएसयूआई ने देश के किसी भी शिक्षण संस्थान में किसी महापुरुष के सम्मान एवं उनके विचारों के संरक्षण हेतु कोई सकारात्मक पहल की हो, तो उसे सार्वजनिक करना चाहिए। अभाविप ने सदैव महापुरुषों के आदर्शों के संरक्षण, राष्ट्र पुनर्निर्माण एवं छात्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और आगे भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी। अभाविप महाविद्यालय प्रशासन से पुनः मांग करती है कि क्षतिग्रस्त प्रतिमा के स्थान पर यथाशीघ्र नई एवं भव्य प्रतिमा स्थापित की जाए, जिससे विद्यार्थियों की आस्था एवं प्रेरणा का यह केंद्र पुनः गरिमापूर्ण स्वरूप में स्थापित हो सके।

संतोष वर्मा बनीं जयपुर पश्चिम महिला कांग्रेस की महासचिव

स्मार्ट हलचल |जोबनेर

मेदपुरा-जोबनेर निवासी संतोष वर्मा को जयपुर पश्चिम जिला महिला कांग्रेस का महासचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति जयपुर ग्रामीण (पश्चिम) की महिला अध्यक्ष पुष्पा मेघवाल की अनुशंसा पर प्रदेशाध्यक्ष सारिका सिंह द्वारा जारी आदेश के तहत की गई है।

जिला अध्यक्ष पुष्पा मेघवाल ने नियुक्ति पर विश्वास जताते हुए कहा कि संतोष वर्मा के अनुभव और सक्रियता से महिला कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलेगी तथा महिलाओं की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने के साथ पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

नियुक्ति पर संतोष वर्मा ने प्रदेश नेतृत्व एवं जिला अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन द्वारा जताए गए विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगी और महिलाओं को संगठित कर उनके अधिकारों की आवाज बुलंद करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगी।

संतोष वर्मा की नियुक्ति पर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं महिला पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

मांगरोल में विवाहिता की संदिग्ध मौत पर ग्रामीणों में आक्रोश

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

निम्बाहेड़ा क्षेत्र के मांगरोल गांव में विवाहिता रतनीबाई प्रजापत की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर बनस्टी गांव के ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कर तत्काल विधिसम्मत एफआईआर दर्ज करने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि 5 जुलाई को बनस्टी निवासी बालूलाल प्रजापत की 30 वर्षीय पुत्री रतनीबाई की उसके ससुराल मांगरोल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद परिजनों एवं ग्रामीणों ने पति, जेठ तथा अन्य परिजनों पर षड्यंत्रपूर्वक हत्या करने का आरोप लगाते हुए निम्बाहेड़ा सदर थाने में रिपोर्ट दी थी।

ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने के कई दिन बाद भी पुलिस द्वारा कोई प्रभावी एवं निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं तथा मृतका के परिजनों को कथित रूप से डराने-धमकाने का प्रयास कर रहे हैं।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि घटना स्थल के समीप स्थित जेके सीमेंट मांगरोल प्लांट के आसपास हाई पावर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कैमरों की फुटेज उपलब्ध होने की संभावना के बावजूद अब तक इस दिशा में प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से पूरे मामले को लेकर संदेह की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर दोषियों के खिलाफ हत्या सहित संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज करने तथा कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान पार्षद भोलाराम प्रजापत, सरपंच संघ जिलाध्यक्ष गणेशलाल साहू, पूर्व उपसरपंच बक्षीराम गुर्जर, उपसरपंच इन्द्रमल गुर्जर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बूंदी में कैफिनेटेड बेवरेज कैंपा एनर्जी ड्रिंक एंड कैम्पा एनर्जी गोल्ड बूस्ट की 3500 बॉटल किए सीज

स्मार्ट हलचल| बूंदी

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त डॉ.टी शुभमंगला के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रदेश भर में खाद्य पदार्थों पर एनर्जी ड्रिंक, भ्रामक लेबलिंग, मिस ब्रांडिंग करने वालो के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत जिले के खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा शुक्रवार को बूंदी जिले में कार्रवाई की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ ओ पी सामर ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी संजय सिंह ने बूंदी में बेवरेजेज गोदाम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केफेनेटेड बेवरेज कैंपा एनर्जी ड्रिंक एंड कैम्पा एनर्जी गोल्ड बूस्ट की 3500 बोतलों को सीज किया तथा सैंपल लिए। बोतल पर भ्रामक रूप एनर्जी लिखा हुआ था।

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के अनुसार कैफीनेटेड बेवरेजेस पर स्टीमूलेट्स माइंड, एनरर्जाइज बॉडीज, एनर्जी ड्रिंक,

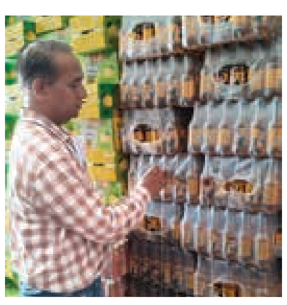

स्पोर्ट्स ड्रिंक इत्यादि का लेबल पर उल्लेख करना भ्रामक प्रचार की श्रेणी में आता है।

गौरतलब है कि एफएसएसएआई द्वारा नामी बेवरेज ब्रांडों को इस संबंध में नोटिस दिया जाकर जवाब मांगा गया है। यह एनर्जी ड्रिंक जिसमें कैफीन की मात्रा अधिक होती है। गर्भवती महिला, लेक्टेटिंग मदर तथा बच्चों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।इस दौरान लिये गए नमूनों को जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला कोटा भिजवाया गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियम अनुसार अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

सेट से पीएचडी की राह होगी आसान, 15 तक करें आवेदन

राज्य सरकार को भेजा गया प्रस्ताव, मंजूरी मिलने पर सेट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को मिलेगा शोध में प्रवेश का अवसर

स्मार्ट हलचल| कोटा

राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा प्रदेश के युवाओं के लिए अब केवल सहायक प्रोफेसर बनने का माध्यम नहीं रहेगी, बल्कि भविष्य में पीएचडी में प्रवेश का नया रास्ता भी खोल सकती है। कोटा विश्वविद्यालय ने राज्य सरकार को सेट को पीएचडी प्रवेश के लिए मान्यता देने का प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने पर राज्य के हजारों अभ्यर्थियों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (ह्श्व') की तर्ज पर शोध एवं उच्च शिक्षा में प्रवेश का अवसर मिल सकेगा।

कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत ने बताया कि उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, राजस्थान सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), नई दिल्ली को पत्र भेजकर सेट को पीएचडी प्रवेश के लिए मान्यता प्रदान करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में नेट

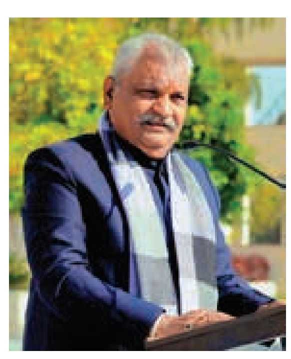

उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को पीएचडी में प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है। यदि सेट को भी यह मान्यता मिलती है तो प्रदेश के विद्यार्थियों को शोध एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर प्राप्त होंगे और उन्हें राष्ट्रीय स्तर के समान लाभ मिल सकेगा।

प्रो. सारस्वत ने कहा कि सेट-2026 का पाठ्यक्रम, परीक्षा प्रणाली एवं मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी तरह यूजीसी-नेट के मानकों के अनुरूप तैयार की गई है। इससे अभ्यर्थियों को राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा जैसी तैयारी का अवसर मिलेगा और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आधारित चयन प्रणाली को मजबूती मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सेट को पीएचडी के लिए मान्यता मिलने से राज्य में शोध संस्कृति को भी नया आयाम मिलेगा।

उन्होंने अभ्यर्थियों से विशेष अपील करते हुए कहा कि सेट-2026 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। अंतिम दिनों में तकनीकी व्यस्तता या सर्वर लोड जैसी संभावित समस्याओं से बचने के लिए अभ्यर्थी समय रहते अपना आवेदन अवश्य पूरा कर लें। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जा रहे हैं और अभ्यर्थी कोटा विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट तथा एसएसओ पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

कुलगुरु ने बताया कि परीक्षा का आयोजन 13 सितंबर 2026 को किया जाएगा। आवेदन शुल्क सामान्य एवं ओबीसी (क्रीमीलेयर) वर्ग के लिए 1500 रुपये, ओबीसी (नॉन-क्रीमीलेयर) एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 1200 रुपये तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांग वर्ग के लिए 750 रुपये निर्धारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष स्श्व'-2026 में जनसंचार एवं पत्रकारिता तथा संस्कृत (पारंपरिक) विषयों को पहली बार शामिल किया गया है। इसके साथ ही परीक्षा अब 37 विषयों में आयोजित होगी।

गौरतलब है कि राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार इस वर्ष स्श्व'-2026 के आयोजन की जिम्मेदारी कोटा विश्वविद्यालय को सौंपी गई है। वर्ष 2023 के बाद आयोजित हो रही यह परीक्षा राज्य के राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर पद के लिए पात्रता निर्धारित करेगी। यदि यूजीसी से स्श्व' को पीएचडी प्रवेश की मान्यता मिलती है, तो यह परीक्षा प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के साथ-साथ शोध और अकादमिक करियर की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगी।

घर के बाहर से बाइक चुराने वाला चोर गिरफ्तार-प्रोडक्शन वारंट पर लाकर पुलिस ने बरामद कराई चोरी की मोटरसाइकिल

स्मार्ट हलचल

टोंक/निवाई। निवाई थाना पुलिस ने 2 जुलाई को चोरी गई मोटरसाइकिल के एक मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर चोरी गई बाइक बरामद कर ली है। आरोपी पहले से जिला कारागृह टोंक में बंद था, जिसे जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाकर पूछताछ की गई।उसकी निशानदेही पर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई।

निवाई थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस उपाधीक्षक रविप्रकाश शर्मा (आरपीएस) के सुपरविजन में गठित पुलिस टीम द्वारा की गई। बीते

दिनों 2 जुलाई को बसंत कॉलोनी निवासी विमलचंद जैन ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ित परिवादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान अलीगढ़ थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 5 निवासी शाहरूख पुत्र इस्माइल की संलिप्तता सामने आई। आरोपी जिला कारागृह टोंक में बंद था, जिसे प्रोडक्शन वारंट पर निवाई लाया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बाइक चोरी करना स्वीकार किया तथा उसकी निशानदेही पर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई। पुलिस आरोपी से अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

शहरी सेवा शिविर में उपनिदेशक ने लाभार्थियों को सौंपे पट्टे व विभिन्न प्रमाण-पत्र

स्मार्ट हलचल |नाथद्वारा

राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित शहरी सेवा शिविर-2026 के अंतर्गत नगरपालिका नाथद्वारा द्वारा आयोजित शिविर का स्थानीय निकाय विभाग, उदयपुर के क्षेत्रीय उपनिदेशक विनोद कुमार ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को धारा 69ए के तहत 7 पट्टे, 2 भवन निर्माण स्वीकृति प्रमाण-पत्र, 5 नाम हस्तांतरण प्रमाण-पत्र, 2 उपविभाजन प्रमाण-पत्र, 1 विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र तथा 5 जन्म पंजीयन प्रमाण-पत्र सहित विभिन्न सेवाओं से संबंधित दस्तावेज मौके पर ही वितरित किए। नगरपालिका आयुक्त सौरभ कुमार जिंदल ने बताया कि शिविरों में सभी दस्तावेजों की गहन जांच के बाद ही सेवाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत प्रतिदिन 'एक पेड़ गौमाता के नाम' अभियान में पौधारोपण किया जा रहा है, जिसकी जानकारी विभागीय पोर्टल पर अपलोड की जाती है। वहीं 'एक रोटी गौमाता के नाम' अभियान के अंतर्गत खाद्य सामग्री संग्रहण वाहन के माध्यम से काइन हाउस के पशुओं के लिए भोजन की व्यवस्था तथा पक्षियों के लिए परिंडे भी लगाए जा रहे हैं। इस अवसर पर क्षेत्रीय उपनिदेशक विनोद कुमार, नगरपालिका आयुक्त सौरभ कुमार जिंदल, सहायक अभियंता प्रतीक नामा, सौरभ मिश्रा, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, पालिका कर्मचारी मौजूद थे।

खेतों पर चोरों का धावाः सोलर सिस्टम की 100 फीट केबल और स्टार्टर चोरी-किसान को करीब 50 हजार की चपत

लगातार बढ़ रही ग्रामीण इलाकों में चोरियों से दहशत-किसानों ने पुलिस से रात में गश्त बढ़ाने और सक्रिय गिरोह पर कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल

टोंक/पीपलू। पीपलू उपखंड क्षेत्र के झिराना गांव में अज्ञात चोरों ने एक किसान के खेत में लगे सोलर सिंचाई सिस्टम को निशाना बनाते हुए करीब 100 फीट सोलर केबल और मोटर का स्टार्टर चोरी कर लिया। घटना से किसान को लगभग 50 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। पीड़ित किसान ने झिराना थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

झिराना निवासी मंगला राम पुत्र रामकिशन जाट ने पुलिस को

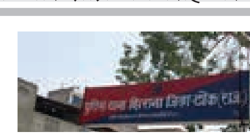

दी शिकायत में बताया कि उन्होंने करीब दो वर्ष पूर्व अपने खेत पर सोलर सिस्टम स्थापित कराया था, जिससे सबमर्सिबल मोटर संचालित होती थी। पिछले चार-पांच दिनों के दौरान अज्ञात चोर सुनसान खेत का फायदा उठाकर करीब 100 फीट सोलर केबल और मोटर का स्टार्टर चोरी कर ले गए। घटना का पता चलने पर किसान ने आसपास के खेतों और रास्तों में काफी तलाश की, लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने झिराना पुलिस थाने में लिखित शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की।क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों से किसानों और ग्रामीणों में भय का माहौल है।ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से खेतों और ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने, चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा सक्रिय चोर गिरोहों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं रिपोर्ट के बाद पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नई कर व्यवस्था से ऐप आधारित टैक्सी सेवा पर असर की आशंका, रिपोर्ट में ड्राइवरों की आय और यात्रियों पर बढ़ते बोझ को लेकर चेतावनी

सब्सक्रिप्शन आधारित राइड सेवा पर कर लगाने का प्रस्ताव बना चिंता का विषय, रिपोर्ट में नियम स्पष्ट करने की मांग

स्मार्ट हलचल

जयपुर। नीति अनुसंधान संस्था एस्या सेंटर की नई रिपोर्ट में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कानून की धारा 9(5) के तहत सब्सक्रिप्शन आधारित राइड सेवा मंचों पर कर लागू करने के प्रस्ताव को लेकर गंभीर चिंताएं जताई गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार यदि इस व्यवस्था को वर्तमान स्वरूप में लागू किया गया तो इसका सीधा असर चालक की आय, यात्रियों के किराए और ऐप आधारित परिवहन व्यवस्था पर पड़ सकता है।

रिपोर्ट 13 शहरों के 1,044 चालकों और 1,059 यात्रियों से किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। इसमें बताया गया है कि सब्सक्रिप्शन आधारित व्यवस्था में चालक मंच को केवल निर्धारित सदस्यता शुल्क देता है, जबकि किराया स्वयं तय करता है, भुगतान सीधे यात्री से प्राप्त करता है और पूरी कमाई अपने पास रखता है। ऐसे में इस मॉडल को पारंपरिक कमीशन आधारित सेवा की तरह कर के दायरे में लाना व्यावहारिक और कानूनी दोनों दृष्टि से चुनौतीपूर्ण बताया गया है।

सर्वेक्षण में शामिल अधिकांश चालकों ने माना कि सब्सक्रिप्शन व्यवस्था से उनकी आय अधिक

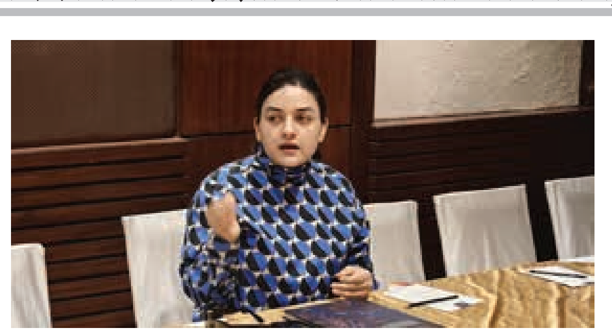

पारदर्शी रहती है और खर्च का पहले से अनुमान लग जाता है। हालांकि यदि इस मॉडल पर अतिरिक्त कर लगाया गया तो बड़ी संख्या में चालकों को अपनी आय घटने, बुकिंग कम होने और ग्राहकों के कम होने की आशंका है। कई चालकों ने यह भी संकेत दिया कि ऐसी स्थिति में वे ऐप आधारित सेवा छोड़कर सीधे सवारी बैठाने की ओर रुख कर सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार यात्रियों पर भी इसका सीधा प्रभाव पड़ेगा। बड़ी संख्या में यात्रियों का कहना है कि यदि किराया थोड़ा भी बढ़ा तो वे ऐप के माध्यम से वाहन बुक करना कम कर देंगे और पारंपरिक टैक्सी या ऑटो सेवाओं की ओर लौट सकते हैं। सर्वे में अधिकांश यात्रियों ने ऐप आधारित सेवाओं में उपलब्ध सुरक्षा सुविधाओं को अपनी प्राथमिकता बताया है।

एस्या सेंटर की निदेशक मेघना बाल ने कहा कि देश का परिवहन क्षेत्र तेजी से बदल रहा है और नई तकनीक आधारित व्यवस्थाएं चालक तथा यात्रियों दोनों को अधिक विकल्प और सुविधा दे रही हैं। ऐसे में कर व्यवस्था और कानूनी ढांचे को भी बदलती तकनीक के अनुरूप बनाया जाना आवश्यक है।

रिपोर्ट में सरकार से मांग की गई है कि धारा 9(5) के प्रावधान केवल उन्हीं मंचों पर लागू किए जाएं जो किराया तय करने और भुगतान प्राप्त करने पर प्रत्यक्ष नियंत्रण रखते हैं। साथ ही यात्रियों की सुरक्षा, चालक सत्यापन और यात्रा निगरानी जैसी कानूनी जिम्मेदारियों को कर निर्धारण का आधार नहीं बनाया जाए। रिपोर्ट का मानना है कि स्पष्ट और संतुलित नियमों से चालक, यात्री और डिजिटल परिवहन क्षेत्र तीनों को लाभ मिलेगा।

अतिक्रमण, कच्ची बस्तियों के नियमन और खांचा भूमि से जुड़े मामलों पर लगाई रोक

स्मार्ट हलचल

मंडावर। नगर पालिका मंडावर ने अतिक्रमण और भूमि संबंधी मामलों को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नगर पालिका द्वारा जारी सूचना के अनुसार कब्जा नियमन, डिनोटिफाइड कच्ची बस्ती, कच्ची बस्ती नियमन, खांचा भूमि तथा अपंजीकृत दस्तावेजों के आधार पर जारी पट्टों से जुड़े सभी मामलों पर फिलहाल रोक लगा दी गई है।

नगर पालिका की ओर से जारी इस सूचना के अनुसार उक्त सभी श्रेणियों के मामलों में आगामी आदेश तक कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। इससे संबंधित आवेदनों एवं प्रक्रियाओं को भी अस्थायी रूप से रोक दिया गया है।

नगर पालिका प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि इन मामलों में किसी भी प्रकार की कार्रवाई करवाने से पहले पालिका कार्यालय से नवीनतम दिशा-निर्देशों की जानकारी अवश्य प्राप्त करें। आदेश लागू होने के बाद संबंधित लोगों को आगे की प्रक्रिया से अवगत कराया जाएगा। यह निर्णय भूमि एवं अतिक्रमण संबंधी मामलों में पारदर्शिता बनाए रखने तथा शासन स्तर से जारी निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया माना जा रहा है। नगर पालिका मंडावर द्वारा जारी इस आदेश का प्रभाव बड़ी संख्या में लंबित और प्रस्तावित मामलों पर पड़ सकता है।

बनेठा थाना क्षेत्र में अवैध बजरी खनन बेलगाम, पुलिस-वन विभाग पर संरक्षण के आरोप

दिन-रात दौड़ रहे ओवरलोड वाहन, संयुक्त एसआईटी पर उठे सवाल

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। टोंक जिले में पुलिस अधीक्षक एवं जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार अभियान चलाए जाने के बावजूद उनियारा सर्किल के बनेठा थाना क्षेत्र में अवैध बजरी खनन और ओवरलोड परिवहन थमने का नाम नहीं ले रहा है। क्षेत्र में कथित रूप से दिन-रात बजरी से भरे वाहनों की आवाजाही जारी रहने से स्थानीय पुलिस, वन विभाग तथा संयुक्त एसआईटी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि बनेठा थाना क्षेत्र में प्रतिदिन 200 से अधिक अवैध एवं ओवरलोड बजरी वाहनों का आवागमन हो रहा है। हाल के दिनों में दिनदहाड़े भी खुलेआम अवैध खनन एवं परिवहन होने की शिकायतें सामने आई हैं। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि पुलिस अधीक्षक टोंक द्वारा जारी कंट्रोल रूम एवं हेल्पलाइन नंबरों पर सूचना देने के बावजूद भी स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। कुछ लोगों का आरोप है कि कार्रवाई करने के बजाय सूचना कथित रूप से खनन माफियाओं तक पहुंच जाती है। इन आरोपों की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

इन क्षेत्रों में जारी होने के आरोप

स्थानीय लोगों के अनुसार बनेठा थाना क्षेत्र के मीणों की झोपड़ियां, कीरों की झोपड़ियां, खद्दों की झोपड़ियां, बनेठा कस्बा, सुरेली रोड, सूरज्या भैरूं मोड़, केरोद, चिताणी, खोहल्या, रूपपुरा, सूंथड़ा, रूपवास, ककोड़ तथा गुमानपुरा टोल प्लाजा के आसपास कथित रूप से अवैध बजरी एवं पत्थर खनन तथा परिवहन लगातार जारी है। ग्रामीण

समय-समय पर फोटो और वीडियो भी मीडिया तक पहुंचा रहे हैं।

जनसुनवाई में भी उठ चुका है मामला

ग्रामीणों का कहना है कि अवैध खनन एवं परिवहन का मुद्दा पूर्व में क्षेत्रीय विधायक राजेन्द्र गुर्जर की मौजूदगी में जिला कलेक्टर टीना डाबी तथा उपखण्ड अधिकारी, उनियारा की जनसुनवाई एवं ग्रामीण सेवा शिविरों में भी उठाया जा चुका है। इसके बावजूद हालात में अपेक्षित सुधार नहीं दिखाई दे रहा।

पुलिस और वन विभाग पर संरक्षण के आरोप

कुछ स्थानीय लोगों एवं खनन से जुड़े व्यक्तियों ने नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर आरोप लगाया कि इन अवैध गतिविधियों को कथित रूप से पुलिस एवं वन विभाग का संरक्षण प्राप्त है। उनका कहना है कि इसके कारण आमजन को निर्माण कार्यों के लिए दोगुने दामों पर बजरी खरीदनी पड़ रही है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

कॉल डिटेल और व्हाट्सएप चैट की जांच की मांग

ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए अवैध खनन प्रभावित क्षेत्रों में गश्त करने वाले पुलिसकर्मियों तथा वन विभाग के कार्मिकों की कॉल डिटेल (सीडीआर) और व्हाट्सएप चैट की जांच कराने की मांग की है, ताकि यदि किसी प्रकार की सांठगांठ है तो उसकी सच्चाई सामने आ सके।

संयुक्त एसआईटी की कार्यप्रणाली पर सवाल

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि अवैध खनन रोकने के लिए गठित पांच विभागों की संयुक्त एसआईटी अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखा पा रही है। उनका कहना है कि टीम केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नजर आ रही है, जबकि क्षेत्र में अवैध गतिविधियां लगातार जारी हैं।

पहले भी हो चुकी है कार्रवाई

गौरतलब है कि इससे पूर्व भी अवैध खनन एवं परिवहन मामलों में कथित संलिप्तता के आरोपों के चलते बनेठा थाना सहित उनियारा सर्किल के अन्य थानों में तैनात कुछ पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हो चुकी है। इसके बावजूद स्थानीय लोगों का आरोप है कि अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पाया है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, वन विभाग एवं खनन विभाग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने तथा अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की है।

मानसिक कमजोर युवक को झांसा देकर 0. 45 हैक्टर भूमि की करवाई रजिस्ट्री

चित्तौड़गढ़। जिले के भादसोड़ा क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा कैंसर पीड़ित महिला के मानसिक रुप से कमजोर पुत्र को झांसा देकर करीब 0. 45 हैक्टर भूमि की रजिस्ट्री अपने नाम करवा कर उसके खाते से राशि वापस निकाल ली गई, इतना ही नहीं इस संबंध में भादसोड़ा थाने में दर्ज को भूमि वापस देने के नाम पर उठवा लिया गया। इस संबंध में पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की गई है।

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक को दिए ज्ञापन में उदयलाल नामक व्यक्ति ने बताया कि उनकी उदयपुर हाईवे पर बागुण्ड में कृषि भूमि स्थित है, जहां वह लम्बे समय से खेती करते आ रहे है। उसकी पत्नी सोसर बाई कैंसर से पीड़ित है और वह उसका इलाज कराने में व्यस्त हैं। इसी का लाभ उठाते हुए नन्दलाल, कन्हैयालाल सहित 8 व्यक्तियों ने उसके मानसिक रुप से कमजोर पुत्र भैरूलाल को झांसे में लेकर 0.49 हैक्टेयर में 0.01 हैक्टेयर की रजिस्ट्री कन्हैयालाल के नाम पर करवा दी। कुछ समय बाद इन्हीं के साथ आरोपियों ने भैरूलाल से एग्रीमेंट लिखवाकर एक खाता खुलवा कर उसकी पासबुक और चैकबुक, एटीएम आदि अपने पास रख लिए, इसके 0.44 हैक्टेयर भूमि की रजिस्ट्री करवाकर 15 लाख 25 हजार रूपये की डीएलसी राशि खाते में डाल कर वापस निकाल ली। जब उन्हे इस धोखाधड़ी का पता लगा तो भादसोड़ा थाने में एफआईआर करवाई गई। जिसे आरोपियों ने उसे भूमि वापस देने के नाम पर बातों में फंसा कर राजीनामा करवा वापस उठवा लिया। इसके बाद ने न तो उसकी जमीन की रजिस्ट्री वापस कराई गई है और न ही भुगतान किया गया है। ज्ञापन में बताया गया कि आरोपियों ने जमीन पर कब्जा लेते हुए उसके साथ मारपीट भी की है। ज्ञापन में पुलिस अधीक्षक से प्रकरण में कार्यवाही कर भूमि वापस दिलाने और आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही मांग की गई है।

आचार्य सुदर्शन लाल जी के सानिध्य में 'विघ्न विनाशक पार्श्वनाथ साधना' प्रारंभ, गूंजी बड़ी मांगलिक

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। नानकवंश के अष्टम पटधर, शासन गौरव और निर्मल प्रज्ञा के धनी परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर पूज्य गुरुदेव श्री 1008 श्री सुदर्शन लाल जी महाराज साहब के पावन सानिध्य में स्थानीय महावीर भवन में एक भव्य धार्मिक महोत्सव का आयोजन किया गया। मुनि भव्य दर्शन जी म.सा. एवं श्री प्राज्ञ सोहन सुदर्शन वैयावच फाउंडेशन, ब्यावर के तत्वावधान में आयोजित इस 'विघ्न विनाशक पार्श्वनाथ साधना' के प्रथम चरण में आज सैकड़ों की संख्या में गुरुभक्तों ने भाग लेकर आध्यात्मिक लाभ उठाया।

6 चरणों में पूर्ण होगी साधना, अगला पड़ाव 8 अगस्त को मसूदा में

आयोजकों ने बताया कि यह विशेष साधना प्रत्येक माह की कृष्ण पक्ष की दशमी को आयोजित की

जाएगी, जो आगामी 06 बार में पूर्ण होगी। इसी श्रृंखला में द्वितीय साधना आगामी 08 अगस्त को मसूदा में आयोजित की जाएगी। साधना की पूर्णता के बाद आचार्य श्री ने ब्यावर श्री संघ के सभी पदाधिकारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मंगल आशीर्वाद प्रदान किया और विशेष रूप से 'मिली तेले की बड़ी मांगलिक' श्रवण कराई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं ने स्वामी वात्सल्य भोजन का आनंद लिया।

प्रमुख राजनेताओं और समाजसेवियों का हुआ बहुमान

इस अवसर पर श्री संघ द्वारा समाज और राजनीति की कई प्रमुख हस्तियों का शाल व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। सम्मानित होने वालों में: पूर्व विधायक डॉ. के.सी. चौधरी,भाजपा नेता इंदरसिंह बागावास,पूर्व विधानसभा प्रत्याशी पारस पंच,पूर्व नगर परिषद सभापति शशिबाला सोलंकी कांग्रेस नेता अजय शर्मा व आशीषपाल पदावत,श्री मुक्ता मिश्री न्यास समिति के अध्यक्ष पारसमल लोढ़ा भोजन लाभार्थी पूनमचंद भंसाली एवं मुख्य अर्थ सहयोगी श्री महावीर चंद जी नाहर शामिल रहे।

कई शहरों से उमड़े श्रद्धालु, सफल मंच संचालन

इस विशाल धार्मिक समागम में ब्यावर सहित बिजयनगर, भीलवाड़ा, आसींद, मसूदा, अजमेर, रामगढ़, किशनगढ़, कंवलियास, गुलाबपुरा, नसीराबाद, बांदनवाड़ा और पीसांगन के गणमान्य नागरिक, अधिवक्ता, विभिन्न राजनैतिक दलों के सदस्य, पत्रकारगण तथा सभी जैन संघों के अध्यक्ष व मंत्री उपस्थित रहे। श्री प्राज्ञ सोहन सुदर्शन वैयावच फाउंडेशन के सभी सदस्य भी सपरिवार कार्यक्रम में शामिल हुए। मंच का कुशल संचालन आशीष डोसी एवं सरवाड़ से पधारे हर्षित पोखरना ने संयुक्त रूप से किया।

रास्ते में मिले 4 लाख रुपये, पप्पूलाल ने पुलिस थाने पहुंचकर असली मालिक को सौंपे

स्मार्ट हलचल

ब्यावर/बार। कहा जाता है कि इंसानियत और ईमानदारी आज भी जिंदा है, इसका एक जीवंत उदाहरण जिला ब्यावर के पुलिस थाना बार में देखने को मिला। यहाँ एक सजग और ईमानदार नागरिक पप्पूलाल नायक ने सड़क पर मिले 4 लाख रुपए की नकदी को उसके असली मालिक तक पहुँचाकर समाज के सामने ईमानदारी की एक अनूठी मिसाल पेश की है।

क्या था पूरा मामला?

जानकारी के अनुसार, प्रार्थी ईद मोहम्मद (43) पुत्र नूर मोहम्मद, निवासी हीरा का बाडिया, ब्यावर से अपनी ट्रक गाड़ी का किराया 04 लाख लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में रुपयों से भरी काले रंग की थैली कहीं गिर गई। काफी तलाशने के बाद भी जब थैली नहीं

मिली, तो पीड़ित ईद मोहम्मद ने बार थाने में एक परिवाद दर्ज करवाया।

पुलिस की मुस्तैदी और सीसीटीवी की मदद:

मामले की गंभीरता को देखते हुए बार थाना पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया। थानाधिकारी और आसूचना अधिकारी राजूराम ने ब्यावर से बदनोर तक नेशनल हाईवे 158 पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इस दौरान जसवंतपुरा टोल प्रबंधक प्रतापसिंह के सहयोग से एक संदिग्ध मोटरसाइकिल चालक का हुलिया सामने आया, जिसकी पहचान पप्पूलाल नायक (40) पुत्र भंवरलाल, निवासी नसीहपुरा (नायकों का बाडिया) के रूप में हुई।

खुद मालिक को ढूंढ रहे थे पप्पूलाल:

जब पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई तो सामने आया कि पप्पूलाल को बीती 6 जुलाई को जसवंतपुरा टोल के पास यह रुपयों से भरी थैली मिली थी। पप्पूलाल ने रुपयों को अपने पास रखने के बजाय खुद आस-पास के गांवों में इसके असली मालिक की तलाश शुरू कर दी थी, लेकिन उन्हें कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था।

थाने में सौंपी अमानत:

सच सामने आने के बाद आज (10 जुलाई) पप्पूलाल नायक ने पुलिस थाना बार पहुंचकर थानाधिकारी की मौजूदगी में प्रार्थी ईद मोहम्मद को उनके खोए हुए 04 लाख सकुशल सुपुर्द कर दिए। अपनी मेहनत की कमाई वापस पाकर ईद मोहम्मद के चेहरे पर खुशी लौट आई और उन्होंने पप्पूलाल सहित बार थाना पुलिस का आभार व्यक्त किया।

थानाधिकारी का संदेश:

'पप्पूलाल नायक का यह कृत्य बेहद सराहनीय और अनुकरणीय है। आज के समय में ऐसी ईमानदारी विरली ही देखने को मिलती है। ब्यावर पुलिस उनके इस जज्बे को सलाम करती है।

12 जुलाई को होगी जिला स्तरीय अंडर-13 शतरंज चयन प्रतियोगिता

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ जिला शतरंज संघ के तत्वावधान में जिला स्तरीय अंडर-13 ओपन एवं गर्ल्स चयन शतरंज चैम्पियनशिप का आयोजन 12 जुलाई (रविवार) को प्रतापनगर स्थित माहेश्वरी भवन (गुरुद्वारा के पास) में किया जाएगा। प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित खिलाड़ी आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष कैलाश भूतड़ा एवं सचिव निलेश बल्दवा ने बताया कि प्रतियोगिता में वही खिलाड़ी भाग ले सकेंगे जिनकी जन्मतिथि 1 जनवरी 2013 या उसके बाद की है। इच्छुक प्रतिभागी 11 जुलाई दोपहर 2 बजे तक अपना पंजीयन livechess.in के माध्यम से करा सकते हैं।

प्रतियोगिता स्विस सिस्टम एवं फिडे (स्नढ्ढष्ठश्व) नियमों के अनुसार पांच चक्रों में खेली जाएगी। जिला स्तरीय चयन प्रतियोगिता से श्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें 25 एवं 26 जुलाई को चित्तौड़गढ़ में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय अंडर-13 ओपन एवं गर्ल्स शतरंज चैम्पियनशिप में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

संघ ने बताया कि जिले की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें बड़ा मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला स्तर पर भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में खेलने का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान शतरंज संघ के तत्वावधान में 25 एवं 26 जुलाई 2026 को चित्तौड़गढ़ में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय अंडर-13 ओपन एवं गर्ल्स शतरंज चैम्पियनशिप राष्ट्रीय स्तर की चयन प्रक्रिया से जुड़ी होगी। इस प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न जिलों से 200 से अधिक खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है। आयोजन की तैयारियां जिला शतरंज संघ द्वारा जोर-शोर से की जा रही हैं।

सावर के नवपदस्थापित एसीबीईओ गणपतलाल मीणा का स्वागत, अंबेडकर संघर्ष समिति ने किया सम्मान

स्मार्ट हलचल

सावर (अजमेर)। शिक्षा विभाग में सावर ब्लॉक के नवपद-स्थापित अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (एसीबीईओ) गणपतलाल मीणा के कार्यभार ग्रहण करने पर शुक्रवार को सीबीईओ कार्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर संघर्ष समिति, सावर के तत्वावधान में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने गणपतलाल मीणा का साफा पहनाकर, माल्यार्पण कर तथा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर सभी ने उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की।

गणपतलाल मीणा इससे पूर्व सरवाड़ ब्लॉक के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सराणा में प्रधानाचार्य के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। अब उन्हें सावर ब्लॉक में अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व एसीबीईओ नेमीचंद सामरिया को भी उनके उत्कृष्ट कार्यकाल के लिए साफा एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया । उपस्थित लोगों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समारोह में संघर्ष समिति के अध्यक्ष घनश्याम पंवार, संरक्षक सूरजकरण मालावत, पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण महावर, कोषाध्यक्ष कालूराम रेगर, सचिव विनोद पंवार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चांदमल सामरिया, उपाध्यक्ष भरतराम धोबी, समाजसेवी मनजीत सेन, छोटूलाल पंवार सहित समिति के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के बताए सामाजिक समरसता, शिक्षा और समानता के विचारों को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

शतरंज की अंडर-13 जिला स्तरीय प्रतियोगिता 12 जुलाई को

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान शतरंज संघ से संबद्ध ब्यावर इकाई द्वारा आगामी राज्य स्तरीय अंडर-13 शतरंज प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय चयन प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 12 जुलाई (रविवार) को किया जाएगा। जिला सचिव कपिल पंवार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में ब्यावर जिले के अंडर-13 आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा, जो राज्य स्तर पर ब्यावर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने बताया कि खेल की गरिमा को देखते हुए पूरी प्रतियोगिता अंतर्राष्ट्रीय नियमों के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, पूर्णतः निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जाएगी। पंवार ने ब्यावर जिले के सभी पात्र खिलाड़ियों, अभिभावकों और शिक्षण संस्थाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस प्रतियोगिता में भाग लेकर इसे सफल बनाएं।

एम ए / एम एस सी द्वितीय सेमेस्टर भूगोल की प्रायोगिक परीक्षा 15 व 18 को

स्मार्ट हलचल | दौसा

स्वर्गीय पंडित नवलकिशोर शर्मा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दौसा के प्राचार्य डॉ. लालाराम मीना ने बताया कि एम ए / एम एस सी द्वितीय सेमेस्टर भूगोल के नियमित एवं स्वयंपाठी परीक्षार्थियों की भूगोल प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 15 जुलाई 2026 व 18 जुलाई 2026 को हो रही है।

सभी परीक्षार्थी अपना रोल नं., बैच नं. व दिनांक महाविद्यालय के सूचना-पट्ट पर देखें। सभी परीक्षार्थी समय से आधा घंटा पूर्व महाविद्यालय में उपस्थित होकर अपनी प्रायोगिक परीक्षाऐं देना सुनिश्चित करें। परीक्षार्थी अपने साथ परीक्षा-2026 की परीक्षा का प्रवेश-पत्र, प्रायोगिक फीस की रसीद, प्रायोगिक रिकार्ड व अन्य आवश्यक दस्तावेज अवश्य साथ लाऐं।

समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 की जनसुनवाई 13 को

चित्तौड़गढ़। राज्य सरकार द्वारा गठित राजस्थान समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 की प्रारूप समिति द्वारा उदयपुर संभाग के जिलों में जनसुनवाई आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में चित्तौड़गढ़ जिले की जनसुनवाई 13 जुलाई सोमवार को प्रातः 10 से सायं 4 बजे तक कलक्ट्रेट परिसर स्थित जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के सभाकक्ष में वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से आयोजित की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर (भू-अभिलेख) रामचन्द्र खटीक ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान आमजन, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न पक्षकारों को राजस्थान समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 के संबंध में अपने सुझाव एवं विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने जिले के नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में जनसुनवाई में सहभागिता कर अपने सुझाव एवं अभिमत प्रस्तुत करने की अपील की है।

तंबाकू नियंत्रण कानून का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, अवैध हुक्का बार व ई-सिगरेट पर होगी सख्त कार्रवाई: एसपी रतन सिंह राठौड़

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिले में युवा पीढ़ी को नशे और तंबाकू उत्पादों के सेवन से बचाने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के मीटिंग हॉल में एसपी रतन सिंह राठौड़ के आदेशानुसार एक विशेष आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य जिले में तंबाकू नियंत्रण कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना तथा अवैध हुक्का बार और ई-सिगरेट के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाना है। पुलिस विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा शिक्षित रोजगार केंद्र प्रबंधक समिति राजस्थान के

संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में जिले के समस्त पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद SRKPS राजस्थान के राज्य समन्वयक हिरेंद्र सेवदा ने 'सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम' के कानूनी प्रावधानों को विस्तार से समझाया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को कानून का उल्लंघन होने पर की जाने वाली कानूनी कार्रवाई के बारे में बताया:धारा 4: सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने पर पूरी तरह प्रतिबंध है। धारा 5: तंबाकू उत्पादों के किसी भी प्रकार के विज्ञापन और प्रचार-प्रसार पर रोक है। धारा 6 (अ): नाबालिगों को तंबाकू उत्पाद बेचना दंडनीय अपराध है। धारा 6 (ब): शिक्षण संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध है। धारा 7: तंबाकू उत्पादों के पैकेट्स पर अनिवार्य रूप से बड़ी और स्पष्ट चित्रात्मक स्वास्थ्य चेतावनी प्रदर्शित होनी चाहिए।

एसपी ने दिए कड़े निर्देश

कार्यशाला के दौरान पुलिस अधीक्षक रतन सिंह राठौड़ ने सभी थानाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कोटपा एक्ट-2003 की धाराओं (4, 5, 6 अ, ब और 7) की पालना सुनिश्चित करें। उन्होंने साफ किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों और अवैध रूप से हुक्का बार या ई-सिगरेट बेचने वालों के खिलाफ तुरंत और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

तंबाकू मुक्ति के लिए जिला अस्पताल में परामर्श उपलब्ध

कार्यशाला के समापन पर ब्यावर के तंबाकू उपचार मुक्ति केंद्र से आई डॉ. कंचन ने सामाजिक सरोकार से जुड़ा संदेश दिया। उन्होंने अपील की कि जो भी व्यक्ति तंबाकू, बीड़ी या सिगरेट की लत से परेशान है और इसे छोड़ना चाहता है, वह जिला अस्पताल में स्थित तंबाकू उपचार मुक्ति केंद्र पर आकर विशेषज्ञों से आवश्यक और निःशुल्क परामर्श प्राप्त कर सकता है।

12 से 17 जुलाई तक होगी वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा-जिला मुख्यालय पर बनाया गया नियंत्रण कक्ष

स्मार्ट हलचल

टोंक। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), अजमेर द्वारा वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा (माध्यमिक शिक्षा विभाग)-2025 का आयोजन टोंक जिले में 12 से 17 जुलाई 2026 तक किया जाएगा। परीक्षा प्रतिदिन दो पारियों में आयोजित होगी। प्रथम पारी प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पारी दोपहर 3:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक संपन्न होगी। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने बताया कि परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग के निर्देशानुसार जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय, टोंक में एक नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि नियंत्रण कक्ष के संचालन हेतु अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक), टोंक कृष्ण गोपाल शर्मा को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। परीक्षा संबंधी समन्वय एवं व्यवस्थाओं के लिए अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षा से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा सहायता के लिए प्रभारी अधिकारी कृष्ण गोपाल शर्मा से उनके मोबाइल नंबर 9414348729 पर संपर्क किया जा सकता है। जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने तथा आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन-बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).
कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन-सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन-बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक

हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम - अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग-सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन-डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन-डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह-क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप- विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन-डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन-डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम - कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण - हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना.

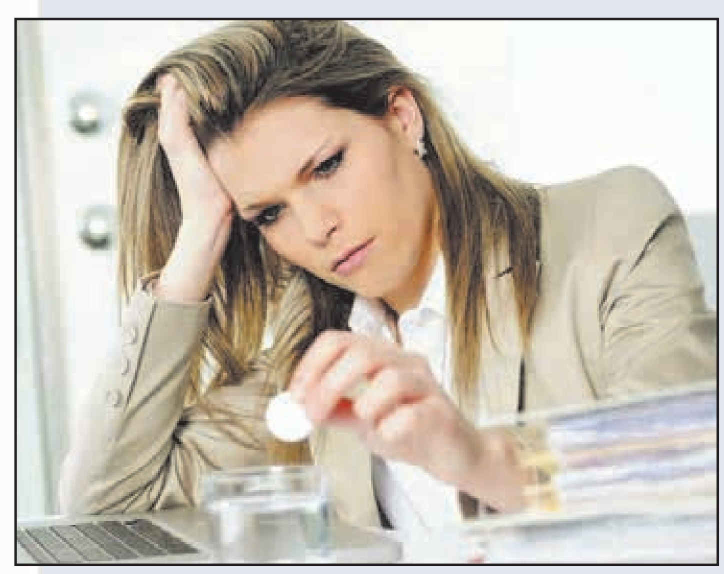

डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण - आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण - घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण - ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज - थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे डयूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com